सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 276 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 19 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में जातीय समीकरण साधने की कोशिश

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार संभव सरोज, विजय बघेल के नाम चर्चा में

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में चल रही विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा शीर्ष नेतृत्व जातीय समीकरणों को साधने की जुगत लगा रहा है। खबर है कि जल्द ही केन्द्रीय मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है। संभव है कि यह मोदी मंत्रिमंडल का आखिरी विस्तार हो। राज्य से फिलहाल 3 सांसदों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। इनमें दुर्ग जिले से दो सांसदों, विजय बघेल और सरोज पाण्डेय के नाम भी शामिल है। इसके अलावा तीसरा नाम गोमती साय का है। बघेल ओबीसी वर्ग से हैं, जबकि सरोज पाण्डेय सामान्य वर्ग से आतीं हैं। इसी तरह गोमती साय आदिवासी वर्ग से हैं।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में भाजपा तमाम तरीकों से प्रदेश को साधने के लिए जोर आजमाइश करने में लगी हुई है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी अपने कैबिनेट का विस्तार कर सकते हैं। कैबिनेट विस्तार को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। सूत्रों का कहना है कि मोदी कैबिनेट में छत्तीसगढ़ से एक सांसद को केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है। मोदी कैबिनेट में जगह पाने के लिए प्रदेश में 3 भाजपा नेताओं के नामों पर चर्चा हो रही है। जिन नामों की चर्चा है उनमें से दुर्ग संसदीय सीट से सांसद विजय बघेल, सांसद गोमती साय और राज्यसभा सांसद सरोज पांडे के नाम शामिल हैं। बता दें कि अभी छत्तीसगढ़ से भाजपा की एक सांसद मोदी कैबिनेट में मंत्री हैं। सरगुजा क्षेत्र से आने वाली रेणुका सिंह, मोदी कैबिनेट में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ से एक और नाम अगर मोदी केबिनेट से जुड़ता है तो क्या आने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को कुछ फायदा होगा या नहीं यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

आदिवासी वोटर्स पर भी फोकस

वहीं, आदिवासी वोटरों को लुभाने के लिए केन्द्र सरकार अगर दांव खेलती है तो 30 फीसदी आदिवासी क्षेत्र वाले छत्तीसगढ़ में सांसद गोमती साय को मौका मिल सकता है। वहीं, सामान्य जातिगत समीकरण पर केंद्रीय नेतृत्व का फोकस रहेगा तो राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय को केंद्रीय मंत्री के रूप में मौका मिलने के आसार हैं। पार्टी के शीर्षस्थ नेता लम्बे समय से आदिवासी वोटर्स को साधने की कोशिश में रहे है। लेकिन अब भाजपा के लिए ओबीसी को नजरअंदाज करना संभव नहीं है।

विजय को मिली बड़ी जिम्मेदारी, क्या सरोज की बारी?

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए विजय बघेल को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा ने उन्हें घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाया है। वहीं, सरोज पांडेय को अभी तक पार्टी की तरफसे किसी तरह का बड़ा प्रभार नहीं मिला है। आगामी चुनाव के दृष्टिकोण से यह भी माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में अगर उलटफेर होता है तो छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को मौका मिल सकता है।

जातिगत समीकरण अहम्

केंद्रीय मंत्रिमंडल में आने वाले दिनों में अगर फेरबदल होता है तो जातिगत समीकरण को साधने की कोशिश की जाएगी। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा ओबीसी वोटर हैं। उसके बाद आदिवासी वोटर और फिर सामान्य वोटर्स की संख्या है। जातिगत आधार पर अगर केंद्रीय नेतृत्व निर्णय लेता है तो विजय बघेल का दावा सबसे ज्यादा मजबूत है। वो कुर्मी समाज से आते हैं और ओबीसी भी हैं। भाजपा ने उन्हें राज्य में घोषणा पत्र समिति की कमान पहले ही सौंप रखी है।

वोरा को विरोधियों की खुली चुनौती चुनाव से पहले छवि बिगाड़ने में जुटे

श्रीकंचनपथ न्यूज़

दुर्ग। शहर विधायक अरूण वोरा के विरोधी ऐन चुनाव से पहले एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं। ये विरोधी हर हाल में वोरा की टिकट कटवाने की कोशिश में है। वोरा को निर्विवाद और बेदाग छवि का नेता माना जाता है। अब विरोधी इसी को हथियार बना रहे हैं। सुनियोजित तरीके से वोरा की छवि को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। वोरा विरोधियों के इस तरह खुलकर सामने आ जाने से शहर कांग्रेस के लिए हालात विषम हो गए हैं। हालांकि कांग्रेस के उच्चस्तरीय सूत्रों का दावा है कि वोरा के टिकट कटने की संभावना नगण्य है। कारण यह है कि कांग्रेस में विधायकों के टिकट काटने की परंपरा कभी नहीं रही है। 2018 के पिछले चुनाव में अरूण वोरा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। बावजूद इसके विरोधियों का सक्रिय होना वोरा के लिए परेशानी का सबब तो है ही। अरूण वोरा दुर्ग विधानसभा क्षेत्र से लगातार 6 बार चुनाव लड़ने का रिकार्ड बना चुके हैं।

विधानसभा चुनाव का वक्त करीब आ रहा है तो कांग्रेस से टिकट के कई दावेदार बरसाती मेंढ़कों की तरह खड्ड से बाहर निकल आए हैं। ये दावेदार सोची-समझी रणनीति के तहत वरिष्ठ नेता व सीनियर विधायक अरूण वोरा की छवि खराब करने में जुटे हैं। साजिशन अफवाहें फैलाई जा रही है और वोरा विरोधी माहौल तैयार किया जा रहा है। कई लोग दुष्प्रचार भी कर रहे हैं। हालांकि यह निर्विवाद सत्य है कि वर्तमान में दुर्ग शहर में विधायक वोरा की टक्कर का एक भी नेता किसी भी पार्टी में नहीं है। वोरा को सहृदयता, नागरिकों के साथ सहज व जीवंत संवाद करने व लोगों के सुख-दुख के साथी के रूप में जाना जाता हैं। ऐसे समय में जबकि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सत्ता और संगठन फूंक-फूंककर कदम रख रहे है, कांग्रेस के ही भीतर एक तबका सक्रिय होकर विरोधी माहौल बनाने में जुट गया है। सुनियोजित तरीके से अफवाहें फैलाई जा रही है कि विधायक वोरा को इस बार टिकट नहीं मिलेगी। या फिर वोरा के लिए चुनाव जीतने की संभावना नहीं है।

राजनीति में आने के बाद से लेकर अब तक अपना पूरा जीवन जनता को समर्पित करने वाले अरूण वोरा को अपने राजनीतिक विरोधियों के कुचक्रों का भान न हो, ऐसा संभव नहीं है। बावजूद इसके वोरा अपने सतत् और निरंतर जनसेवा अभियान में लगे हैं। आमतौर पर जनप्रतिनिधि चुनाव से कुछ महीने पहले सक्रिय होते हैं और विकास कार्यों का दम्भ भरते हैं। लेकिन वोरा के साथ ऐसा नहीं है। वे हर समय जनता से जुड़े रहते हैं। पूरे 5 साल तक सक्रिय रहने वाले वे बिरले राजनीतिज्ञ हैं। विकास के छोटे से छोटे काम भी वे स्वयं खड़े होकर करवाते हैं, ताकि कहीं कोई चूक न रह जाए। इतनी शिद्दत के साथ सेवा करने वाले जनसेवक के भी विरोधी हो सकते हैं और उनके खिलाफ माहौल बना सकते हैं, यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं है। विधायक वोरा मन, वचन और कर्म से सौम्य है और उनकी यही खूबी लोगों को पसंद भी आती है। लेकिन कई बार इनसान की खूबियां कई लोगों को नागवार गुजरती है। दरअसल, वोरा परिवार का इतिहास ही जनसेवा और जनता के प्रति समर्पण का रहा है। यही वजह है कि जनता का आशीर्वाद भी इस परिवार को लगातार और सदैव मिलता रहा। कई लोगों को इससे कोफ्त होना अस्वाभाविक नहीं है।

वोरा के लिए राह मुश्किल नहीं

विधानसभा चुनाव को महज 4 माह का वक्त बचा है। दुर्ग शहर वर्तमान में कांग्रेस का गढ़ है और विगत दो चुनाव से यहां अरूण वोरा जीत दर्ज करते रहे हैं। हर बार जीत का आंकड़ा बढ़ता गया। इस बार भी उनकी जीत की पूरी संभावना है। प्रदेश के हालातों को देखें तो राज्य में फिर से कांग्रेस की सरकार बनना मुश्किल नहीं है। हालांकि कांग्रेस संगठन इसे लेकर बेहद संजीदा है और एक-एक सीट पर फूंक-फूंककर कदम रखने के मूड़ में है। राज्य में कांग्रेस के पास 70 से ज्यादा सीटें हैं। बावजूद इसके सत्ता और संगठन में ऐन चुनाव से पहले किए गए परिवर्तन इस बात का संकेत है कि कांग्रेस चुनाव को लेकर कितनी ज्यादा गम्भीर है। इन हालातों में दुर्ग शहर जैसी जीती हुई सीट पर कांग्रेस के ही लोगों का विरोध में खड़े होना शुभ संकेत नहीं माना जा सकता।

सबको टिकट मांगें का अधिकार

कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है और लोकतांत्रिक दल होने की वजह से यहां सबको टिकट मांगने का अधिकार है, किन्तु दूसरे की छवि खराब कर या दुष्प्रचार की वीणा बजाकर अपनी ही पार्टी का नुकसान करना संदेहास्पद है। ऐसे लोगों की वजह से ही राज्य में कांग्रेस पूरे 15 वर्षों तक सत्ता से दूर रही। वर्तमान में करीब आधा दर्जन लोग दुर्ग शहर सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। लेकिन उनकी दावेदारी में इसलिए भी दम नहीं है, क्योंकि राजनीतिक कद के मामले में वे विधायक वोरा के सामने कहीं नहीं टिकते। प्रदेश में कांग्रेस की सत्ता आने के बाद दुर्ग में भी पार्टी के हालात बदले हैं। वरिष्ठ नेता मोतीलाल वोरा के निधन के बाद कई लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हिलोरे मार रही है। बावजूद इसके दुर्ग शहर में अरूण वोरा बरगद की तरह अटल और अडिग हैं।

दुर्ग में सतनामी समाज के मंदिर में झंडा लगाने वाले गिरफ्तार

■ सामाजिक सौहाद्र खराब कर दंगा फैलाने की नियत से किया काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में सतनामी समाज के मंदिर में मुस्लिम संप्रदाय का झंडा लगाने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सामाजिक सौहाद्र खराब करके जिले में दंगा फैलाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने रात में जाकर एक समाज के मंदिर में दूसरे समाज का झंड़ा लगाया। मोहन नगर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

बता दें 14 जुलाई 2023 को रमेश कोसरे (56) ने मोहन नगर थाने में मामले की शिकायत की थी। रमेश ने बताया कि वो कातुल बोर्ड सतनाम भवन के पास दुर्ग में रहता है। 13 जुलाई की रात करीब 1 से 1.30 बजे के बीच कुछ अज्ञात लोगों ने धार्मिक उन्माद फैलाने की नियत से समाज विशेष का झंडा कातुलबोर्ड स्थित गुरू घासीदास मंदिर के ऊपर बांध दिया है। इस घटना के बाद से सतनामी और हिंदू समाज में रोष व्याप्त है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस मौके पर पहुंची और झंडा को नीचे उतार कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में देर रात तीन अज्ञात लोग मंदिर में चढ़ते और उतरते दिखे। पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 295 (ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया था।

आरोपियों के पकड़ने बनी थी विशेष टीम

दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने इस मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा कि इस मामले वो किसी भी प्रकार की हिंसक घटना नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोपियों को पकड़ने के लिए साइबर, क्राइम और मोहन नगर थाने से पुलिस वालों को लेकर एक विशेष टीम बनाई। टीम को जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली की कातुलबोर्ड के रहने वाले रवि जांगड़े ने अपने साथियों नागेश यादव, राजा निर्मलकर तथा अन्य साथियों के साथ मिलकर दंगा फसाद कराने की नियत से ऐसा किया है। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उन्होंने 3 अपचारी बालकों के साथ मिलकर अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को भी आरोपी रवि जांगड़े के कब्जे से जब्त किया है।

कमल विहार का नाम बदला, अब माता कौशल्या विहार नाम से जानेंगे लोग

■ सरकार ने किया नया नामकरण, छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की बहुचर्चित कॉलोनी कमल विहार का नाम बदल दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग ने इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी कर दिया है। सरकार ने कमल विहार का नाम बदलकर माता कौशल्या विहार रख दिया है। इसके साथ ही अब कमल विहार को माता कौशल्या विहार के नाम से जाना जाएगा।

बता दें कमल विहार प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ में तात्कालीन भाजपा सरकार ने बनाया था। इसके नाम को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी विरोध किया था। दरअसल कमल नाम होने से भाजपा का चुनाव चिह्न प्रदर्शित हो रहा था। कांग्रेस पार्टी प्रोजेक्ट के विरोध में कभी नहीं लेकिन नाम को लेकर उसे आपत्ति रही। अब जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बन गई है तो इसके नाम बदलने का काम शुरू हुआ। विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने नाम बदल दिया।

मोबाइल चलाने से मना किया तो वॉटरफाल से कूद गई लड़की

■ चिल्लाते रहे लोग और तैरकर खुद ही निकल गई बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। चित्रकोट जलप्रपात में मंगलवार को एक हैरान कर देने वाला नजारा सामने आया। दरअसल यहां एक किशोरी अचानक जलप्रपात के टॉप पर पहुंची और लगभग 100 फीट की ऊंचाई से कूद गई। बाहर लोग चिल्लाते रहे लेकिन किशोरी ने किसी की नहीं सुनी और कूद गई।

किशोरी के कूदने के बाद लोग अफसोस करते रहे लेकिन अचानक यह देख हैरान रह गए कि इतनी तेज बहाव व गहराई के बावजूद युवती तैरकर बाहर निकल गई। इसके बाद उसने जो बताया वह हैरान करने वाला निकला। किशोरी ने बताया कि उसके पैरेंटस मोबाइल इस्तेमाल करने नहीं देते इसलिए वह नाराज थी। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इस मामले में पुलिस ने बताया कि लोहंडीगुड़ा में रहने वाली नाबालिग लड़की ने यह कारनामा किया। दरअसल किशोरी को उसके माता पिता मोबाइल चलाने से टोकते थे और इसके कारण डांट भी लगा दी। इसके बाद नाराज होकर लड़की चित्रकोट जलप्रपात पहुंच गई। जब वह वाटरपॉल के टॉप पर खड़ी थी तो लोक उसे आवाज दे रहे थे। काफी देर तक वह वॉटरफल के ऊपर ही खड़ी रही और देखती रही और अचानक उसने छलांग लगा दी। किशोरी को इतनी ऊंचाई से लड़की को कूदते देखकर लोगों की चीख निकल गई। वह लोग काफी घबरा गए।

इसके बाद वॉटरफॉल के पास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर तैनात जवान भी वॉटरफाल की ओर दौड़े और उसे बचाने के प्रयास में जुट गए। इससे पहले की जवान कुछ करते अचानक किशोरी तैरकर बाहर आती दिखाई दी। तेज बहाव के बीच किशोरी किसी तरह से बाहर निकली। इसके बाद पुलिस ने किशोरी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने बताया कि वह पैरेंट्स से नाराज थी। वे मोबाइल नहीं देते थे, इसलिए सुसाइड करने की कोशिश की। पूछताछ के बाद पुलिस ने नाबालिग किशोरी को परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं परिजनों को भी समझाइश दी गई।

फेयरवेल सत्र में अविश्वास प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस कार्यकाल का आखिरी सत्र चल रहा है. महज चार दिन के इस मानसून सत्र में विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रहा है। चंद महीनों में सरकार के अधिकार वैसे ही फ्रीज हो जाने हैं। इसके बाद चुनाव होंगे और जो जीतेगा वही नया सिकंदर होगा। इसलिए इस सत्र की तुलना फेयरवेल पार्टी से की जा सकती है। स्कूलों में फेयरवेल पार्टी का चलन अभी नया है। निजी स्कूलों के विद्यार्थी दो फेयरवेल मनाते हैं। इनमें से एक फेयरवेल पार्टी संस्थागत होती है जिसमें प्राचार्य, स्कूल संचालक और शिक्षक शामिल होते हैं। विद्यार्थियों को आगे के जीवन के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है। बताया जाता है कि विद्यार्थियों के आचरण एवं उपलब्धियों से उनके संस्थान का नाम भी जुड़ा होगा। इसलिए वे ऐसा कुछ भी न करें जिससे उस संस्थान को ठेस पहुंचे जहां उन्होंने अपने जीवन के श्रेष्ठ 12 साल बिताए हैं। इसके बाद विद्यार्थी एक दूसरे की कमीज पर पेन से अपने हस्ताक्षर करते हैं। इन कमीजों को विद्यार्थी धोते नहीं बल्कि काफी समय तक संभाल कर रखते हैं। इसके अलावा एक और फेयरवेल पार्टी होती है जिसे अन-ऑफिशियल पार्टी कहते हैं। इसका आयोजन किसी होटल में होता है जहां वे नाच गाने के साथ लजीज व्यंजनों का लुत्फउठाते हैं। उनके मन के किसी कोने में यह बात होती है कि आगे के जीवन पर बंदिशें कम होने वाली हैं और जिन्दगी खूबसूरत होने वाली है। पर पॉलीटिक्स में ऐसे सद्भाव की उम्मीद नहीं की जाती। यह विधानसभा का आखिरी सत्र कम और आने वाले चुनावों की तैयारी ज्यादा होती है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के इस अंतिम सत्र में विपक्ष 109 बिन्दुओं के आरोप पत्र के साथ शामिल हो रही है। वह सरकार के खिलाफ तब अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रही है जब कि उसके कार्यकाल के गिनती के दिन शेष रहे है। अक्टूबर में चुनाव आचार संहिता लगते ही सरकार स्वयमेव पंगु हो जाएगी। इस सत्र का इससे बेहतर उपयोग हो सकता था। वैसे विपक्ष की झोली के सबसे बड़े हथियार को देश की सर्वोच्च न्यायालय ने भोथरा कर दिया है। शराब घोटाले को लेकर जितना हो-हंगामा विपक्ष ने मचाया था, उस मामले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच पर ही सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। साथ ही किसी भी प्रकार की दंडात्मक या कठोर कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। अब जो मुद्दे उसके पास बचे हैं, उन्हें लेकर खुद उसका दामन कभी साफ नहीं रहा। भ्रष्टाचार और घोटाला तो अब सभी राजनीतिक दलों और सरकारों के लिए पर्यायवाची शब्द है। सत्तारूढ़ पार्टी की तरफएक उंगली उठती है तो तीन अंगुलियां खुद-ब-खुद अपनी और मुड़ जाती हैं। रही बात डीएमएफ फंड से आत्मानंद स्कूलों के संचालन की तो इससे जनता खुश है। फालतू के शिलान्यास और लोकार्पण समारोहों में खर्च होने वाली यह राशि किसी सद्कर्म में लगे तो किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? जनता तो खुश है।

संपादकीय

घटती गरीबी

गरीबी उन्मूलन हमें विकसित देशों की कतार में ले जाएगा। मगर ध्यान रखना होगा, जिनको गरीबी-रेखा से ऊपर उठाया गया है, वे फिर से उसी खाई में न लुढ़कें।

नीति आयोग ने 2015-16 से 2019-21 के बीच देश में बहुआयामी गरीबी से निपटने में मिली सफलता की जो तस्वीर पेश की है, वह यकीनन खुश करने वाली है। इस दौरान न सिर्फ 13.5 करोड़ लोग गरीबी-रेखा से ऊपर उठे, बल्कि संतोषजनक बात यह है कि बीमारू माने जाने वाले राज्यों, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने इस दौरान सबसे बेहतर प्रदर्शन किया है। साल 2015-16 में 24.9 प्रतिशत लोग बहुआयामी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर कर रहे थे, पर 2019-21 में यह आंकड़ा घटकर 15 फीसदी रह गया। बमुश्किल एक हफ्ता बीता होगा, जब यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एक अध्ययन रिपोर्ट ने बताया था कि पिछले पंद्रह वर्षों में करीब 41.5 करोड़ भारतीयों को बहुआयामी गरीबी से निजात दिलाने में भारत कामयाब रहा। नीति आयोग के इंडेक्स में यूएनडीपी की रिपोर्ट के संकेतकों को तो आधार बनाया ही गया, दो अन्य संकेतक भी उनमें जोड़े गए- बैंक खातों तक पहुंच और मातृत्व स्वास्थ्य। जाहिर है, ये आंकड़े बता रहे हैं कि देश की आर्थिक उन्नति का लाभ हाशिये के लोगों तक पहुंच रहा है।

> मुफ्त अनाज बांटने व लोक-लुभावन कार्यक्रमों से हम भूख व गरीबी के आंकड़े तो दुरुस्त कर लेंगे, पर जब तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य तक सबकी पहुंच नहीं बन सकेगी, तब तक तमाम दावों पर सवाल बना रहेगा। विकसित देश बनने के लिए इन सफलताओं को सार्थक रूप भी देना होगा।

निस्संदेह, यह एक सुचिंतित आर्थिक नीति की उपलब्धि है। पिछली सदी के आखिरी दशक में उदारीकरण के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था ने जो उड़ान भरी थी, उसका लाभ अब जमीन पर साफ-साफ दिखने लगा है, मगर हम इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं कर सकते कि अब भी 20 करोड़ से अधिक भारतीय बहुआयामी गरीबी-रेखा के नीचे जी रहे हैं, जो एक विशाल संख्या है और दुनिया के कई बड़े देशों की जनसंख्या से अधिक है। नीति आयोग ने पांच वर्षों के दौरान गरीबी से मुक्ति के जो आंकड़े पेश किए हैं, उसे देखते हुए शेष आबादी को ऊपर उठाने में अधिक वक्त नहीं लगना चाहिए। हालांकि, सामाजिक-आर्थिक उन्नति का गणित इतना सरल होता नहीं है। फिर भी, सरकारों को अपने तईं प्रयास करने ही चाहिए कि जो लोग पीछे रह गए हैं, वे सभी बारह मानकों पर खरे उतर सकें।

इन खुशनुमा तस्वीरों के बीच कुछ चुनौतियां भी हैं। राज्य सरकारों को अपने आर्थिक संतुलन का भी ध्यान रखना चाहिए। बेशक लोक-लुभावन नीतियों व कार्यक्रमों का लाभ अंततोगत्वा मध्यवर्ग और गरीबों को मिलता है, मगर उस लाभ की सार्थकता होनी चाहिए। आधारभूत संरचनाओं के विस्तार और संकटकालीन स्थितियों के मद्देनजर राज्यों को अपने-अपने खजाने की भी चिंता करनी चाहिए। सरकारों को यह ख्याल रखना चाहिए कि राजनीति वही सराही जाती है, जिसमें दूरदर्शिता होती है, और जिसकी निरंतरता को भंग करने का दुस्साहस प्रतिपक्ष भी न कर सके। इस समय लोक-लुभावन नीतियों का जो दौर चल पड़ा है, उससे कई राज्यों का आर्थिक संतुलन बिगड़ रहा है और नीति आयोग व वित्त आयोग उन्हें इस संदर्भ में लगातार आगाह भी करता रहा है। गरीबी उन्मूलन एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है, इसमें सफलता हमें विकसित देशों की कतार में ले जाएगी। मगर यह भी ध्यान रखना होगा कि जिनको इस रेखा से ऊपर उठाया गया है, वे फिर से उसी खाई में न लुढ़कें। मुफ्त अनाज बांटने व लोक-लुभावन कार्यक्रमों से हम भूख व गरीबी के आंकड़े तो दुरुस्त कर लेंगे, पर जब तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य तक सबकी पहुंच नहीं बन सकेगी, तब तक तमाम दावों पर सवाल बना रहेगा। विकसित देश बनने के लिए इन सफलताओं को सार्थक रूप भी देना होगा।

> हां, इस बार एकजुटता को लेकर विपक्ष काफी संजीदा दिखा है, इसलिए उसके इस प्रयोग को अभी पूरी तरह से नकारा जाना उचित नहीं होगा। 'इंडिया बनाम एनडीए' की यह जंग क्या नतीजा देगी, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल राजग मजबूत जान पड़ रहा है, और विरोधी दलों के लिए भाजपा की रणनीति, खासतौर से मोदी के करिश्मे की काट निकालना ऊंचे पहाड़ को नापने जैसा हो सकता है।

व्यूह रचना में जुटे दोनों महा-गठजोड़

राहुल वर्मा, फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

भारतीय राजनीति के लिए मंगलवार का दिन काफी गहमागहमी वाला रहा। इस दिन दो महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। एक दिल्ली में, तो दूसरी राष्ट्रीय राजधानी से काफी दूर बेंगलुरु में। दिल्ली बैठक में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने एकजुटता दिखाई, जबकि बेंगलुरु में कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियों ने विचार-विमर्श किया। दोनों बैठकें आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बुलाई गई थीं, इसलिए कह सकते हैं कि साल 2024 के चुनाव का अब बाकायदा आगाज हो चुका है। अब यह भी स्पष्ट है कि आगामी चुनावी समर इन्हीं दोनों महा-गठबंधनों के बीच होगा, तीसरे मोर्चे की कोई खास गुंजाइश नहीं बची है।

दावा किया गया है कि भाजपा के नेतृत्व में बुलाई गई राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की बैठक में 38 पार्टियां शामिल हुईं और उनमें कई मुद्दों पर सहमति भी है। मसलन, यह बिल्कुल साफ है कि राजग में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार के काम-काज का लेखा-जोखा पेश किया जाएगा। चूंकि राजग के चुनाव अभियान में भाजपा केंद्र में रहेगी, इसलिए गठबंधन का वैचारिक नजरिया भी स्पष्ट है। उधर, विपक्षी दल पटना होकर बेंगलुरु पहुंचे थे और कई मुद्दों पर वे आगे बढ़ते हुए भी दिखे, मगर कुछ विषयों पर वे अब भी अंतर्विरोधों से जूझ रहे हैं। उन्होंने एक सधी शुरुआत जरूर की है, और अगर उनकी बैठकों का सिलसिला जारी रहा (अब अगली बैठक महाराष्ट्र में होगी), तो गठबंधन का स्वरूप भी धीरे-धीरे स्पष्ट हो जाएगा, लेकिन अभी यह राह कुछ लंबी है।

बेशक, 26 विरोधी दलों ने बेंगलुरु बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश की है, जिनमें गठबंधन का नाम, उसका ढांचा, साझा कार्यक्रम आदि प्रमुख थे। गठबंधन का नाम 'इंडिया' रखा गया है, जो अंग्रेजी के शब्द 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' से बना है। बैठक के बाद साझा प्रेस-वार्ता में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने न सिर्फ इस नाम की घोषणा की, बल्कि यह भी बताया कि दिल्ली में एक सचिवालय की स्थापना की जाएगी, जिसके पास चुनावी रणनीति की कमान होगी। बैठक में चुनाव में उठाए जाने वाले मुद्दों को लेकर भी एकजुटता दिखाने की पूरी कोशिश की गई। मगर दो गुत्थियां अब भी सुलझ नहीं सकी हैं। एक, यह गठबंधन क्या किसी एक चेहरे पर चुनाव लड़ेगा? अगर इसका जवाब हां है, तो वह चेहरा कौन होगा? और, दूसरी उलझन सीटों के बंटवारे को लेकर है। हालांकि, माना यही जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही ये उलझनें भी दूर हो जाएंगी। हो सकता है कि अगले साल जनवरी के आसपास यह साफ हो जाए कि कौन दल कितनी सीटों पर और कहां-कहां मैदान में होगा? यह तो साफ है कि 'एक दल, एक उम्मीदवार' की वकालत बार-बार विरोधी दलों द्वारा की जा रही है।

वैसे, बेंगलुरु बैठक कई मामलों में विपक्षी दलों के लिए नई खुराक लेकर आई है। यह बैठक संकेत है कि विपक्षी पार्टियों का एक-दूसरे के प्रति जो संशय या मतभेद रहा है, उसके बादल अब छंट रहे हैं। पटना बैठक में ही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच तनातनी की खबर आई थी। आप नेताओं ने दिल्ली पर केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश को लेकर कांग्रेस को अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। अब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान के बाद दोनों दलों के बीच कटुता कम होती नजर आई है। ऐसा किया जाना जरूरी भी था, क्योंकि जब तक इन दलों में मनमुटाव या एक-दूसरे के प्रति संदेह बना रहेगा, तब तक वे मजबूत गठबंधन नहीं बन सकते, और तब तक ऐसी किसी महाजुटान का कोई मतलब भी नहीं रह जाएगा।

चुनाव सुधार और ईवीएम को लेकर भी विरोधी दल संजीदा दिख रहे हैं। खबर है कि वे अपनी शंकाओं के साथ चुनाव आयोग के पास जा सकते हैं। देश के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने पर कथित तौर पर हो रहे हमले के खिलाफ भी उन्होंने सख्त रुख अपनाया है। मगर जनता इन मुद्दों पर कितना साथ देगी, इस पर अभी भी सवालिया निशान है।

बहरहाल, इन दोनों बैठकों से यह भी साफ हो गया है कि कुछ ऐसी पार्टियां हैं, जो न तो भाजपा या उसके सहयोगियों के पाले में जाने को इच्छुक लग रही हैं, और न कांग्रेस या विरोधी खेमे में। इनमें प्रमुख हैं- ओडिशा की बीजू जनता दल, आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस, तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति आदि। ये तमाम पार्टियां अपने-अपने राज्यों में सरकार चला रही हैं, और अभी किसी गठबंधन का हिस्सा बनने की उत्सुकता नहीं दिखा रही हैं।

उधर, दिल्ली बैठक से न केवल हमें राजग गठबंधन के स्वरूप का अंदाजा हो रहा है, बल्कि यह भी स्पष्ट हो गया कि किन मुद्दों के साथ वह विरोधियों पर हमलावर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी झलक मंगलवार दोपहर में पोर्ट ब्लेयर के अपने भाषण में भी दी। उन्होंने अपने शब्दों से विपक्षी दलों के गठबंधन पर खूब तंज कसा और उसे ऐसे लोगों का समूह बताया, जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और सिर्फ व सिर्फ अपने परिवार व परिजनों को ही आगे बढ़ाने की सोचते हैं। भाजपा अब इसी 'लाइन ऑफ अटैक' के साथ आम चुनाव में विपक्ष पर हावी होने का प्रयास करेगी। देखना होगा कि विरोधी दल इसकी काट किस तरह निकाल पाते हैं।

जाहिर है, राजग को अधिक पार्टियों का साथ हासिल है, उसके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है, गठबंधन की धुरी को लेकर स्पष्टता है और यह भी साफ है कि वह किन मुद्दों पर चुनाव लड़ेगा। इसके बरअक्स, विपक्ष कई तरह के द्वंद्वों से लड़ रहा है, और कुछ ऐसे सवाल अब भी कायम हैं, जिनके जवाब के लिए उसको आने वाले समय में अधिक मेहनत करनी होगी। हां, इस बार एकजुटता को लेकर विपक्ष काफी संजीदा दिखा है, इसलिए उसके इस प्रयोग को अभी पूरी तरह से नकारा जाना उचित नहीं होगा। 'इंडिया बनाम एनडीए' की यह जंग क्या नतीजा देगी, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन फिलहाल राजग मजबूत जान पड़ रहा है, और विरोधी दलों के लिए भाजपा की रणनीति, खासतौर से मोदी के करिश्मे की काट निकालना ऊंचे पहाड़ को नापने जैसा हो सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अपमान पचा जाना प्रकृति या नदियों की आदत नहीं

दिनेश मिश्र, जल विशेषज्ञ

आज बरसात में कुछ नदियों का हाल देखकर एक अंग्रेज इंजीनियर एफसी हर्स्ट का कथन अनायास याद आ रहा है। हर्स्ट ने बंगाल की नदियों के नियंत्रण के संदर्भ में कहा था, 'नदी की धारा को मजबूर करके एक निश्चित प्रवाह पथ से बहाना, चाहे वह कितनी ही छोटी नदी क्यों न हो, वास्तव में प्रकृति की मंशा के खिलाफ है। एक बांध, जिसमें पानी की निकासी के लिए मामूली या नहीं के बराबर रास्ते बने हों, उससे उम्मीद की जाती हो कि वह बाढ़ से रक्षा करेगा, वास्तव में यह प्रकृति को ललकारना है, उसे अपमानित करना है, और इस तरह के अपमान को पचा जाना प्रकृति की आदत नहीं है। यह बाद में समझ में आएगा कि ये भविष्य में जनहित के लिए खतरा बनेंगे।'

लगभग पूरा उत्तर और पश्चिम भारत इस समय बाढ़ या जलभराव का सदमा झेल रहा है। बरसात थमती नहीं है और मदद करने वालों के पहुंचने का रास्ता तंग है। राजधानी दिल्ली की बात करें, तो उसे तो इस मुसीबत की चेतावनी काफी पहले से मिल रही थी, मगर देखते-देखते यमुना का पानी चढ़ आया। यहां यमुना का जल-स्तर जो 10 जुलाई को 205.40 मीटर पर था, वह 13 जुलाई को अब तक देखे गए सर्वाधिक स्तर 207.49 मीटर (1978) को न सिर्फ पार कर गया, बल्कि उसके 2.62 मीटर ऊपर से बहने लगा। ऐसे में, नदी की बाढ़ का प्रकोप उसके दोनों किनारों पर पड़ना स्वाभाविक था और यही हुआ। राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने की नौबत आ गई।

दिल्ली में बाढ़ की इस तरह की यह घटना 45 साल बाद हुई है। यद्यपि कुछ ही साल ऐसे रहे होंगे, जब सब कुछ सामान्य रहा होगा। यही समय हमारे पास था, जब नदी के प्रकोप से निपटने के लिए सारे काम कर लिए जाने चाहिए थे, ताकि इस तरह की विपत्तियों से निपटने की मुकम्मल व्यवस्था हो जाए। 1970 के दशक में देश में राष्ट्रीय बाढ़ आयोग की स्थापना हुई थी, जिसकी रिपोर्ट 1980 में आई और 207 सिफारिशें की गईं। उनमें से कितनी सिफारिशों को माना गया और उस पर काम किया गया, यह एक अहम सवाल है। क्या जल प्रबंधन कार्यक्रमों का मूल्यांकन करके, उनमें सुधार की जरूरत समझी गई? क्या उनका क्रियान्वयन हुआ?

जल संसाधन विभाग का एक सामान्य कार्यक्रम होता है कि वह बाढ़ का मौसम शुरू होने के पहले क्या-क्या करेगा। नदियों के तटों, बांधों में बने फाटकों की मरम्मत का काम भी इसमें शामिल है। सभी सरकारों को यह सोचना चाहिए कि बारिश से पहले वे तय कार्यों में से कितने पूरे कर चुकी हैं? एक राज्य बांध से जब पानी छोड़ता है, तो उसे दूसरे राज्य के गांवों और शहरों की चिंता क्यों नहीं होती है? क्या हमारी नदियों को बहने के लिए पर्याप्त जगह मिल रही है? खासकर बड़े शहरों के आसपास नदियों की सफाई पर कितना काम हुआ है?

तकनीक के साथ एक समस्या है कि वह हर चीज, जो उसे दिखाई पड़ती है, उसे अपने वश में कर लेना चाहती है। वह चाहे हवा हो, पानी हो, जमीन हो, पहाड़ हो, फसल हो, मर्ज हो, इलाज हो, सब कुछ उसे अपने कब्जे में चाहिए। यह कब्जा अगर मर्यादित हो, उसे समग्रता में देखा जाए, तो कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। नदियों को हम मां की जगह संसाधन मानने लगे हैं, और संसाधन है, तो उसका दोहन करना चाहिए? मगर इस दोहन की भी मर्यादा तय करनी पड़ेगी। मर्यादा तय न हुई, तो वह स्रोत ही समाप्त हो जाएगा या दोहन करने वाले को ही एक दिन समाप्त कर देगा।

हमने नदियों के साथ जो कुछ भी किया है, उसके दुष्प्रभाव वैज्ञानिकों को मालूम थे और उस पर उनके बीच चर्चा भी खूब हुई है, पर ऐसी बातें घर की थीं, जो बाहर नहीं आईं। यह संबंधित पक्षों को पता था कि तकनीकी दृष्टि से जो कुछ किया जाएगा, उसका कुछ अवांछित परिणाम भी होगा, लेकिन उस पर चर्चा नहीं होती है और जब वैसा हो जाता है, तब एक-दूसरे पर कीचड़ उछाला जाता है। नदियों को नियंत्रित करने के दुष्परिणाम इंजीनियरों को मालूम हैं। बहुत से निर्णय वे दबाव में लेते हैं, जो उन्हें कतई नहीं लेने चाहिए। क्रियान्वयन से पहले इस पर विस्तृत चर्चा जरूरी है, और यह होनी ही चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

SUSTAINABLE FERTILISER के प्रबंधन के लिए भारत की नई पहल

नरेंद्र सिंह तोमर

भारत में 1.4 अरब लोगों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्य सुनिश्चित करने के लिए sustainable कृषि आवश्यक है। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में, रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने रासायनिक फर्टिलाइजर के असंतुलित उपयोग के समाधान के लिए सक्रिय पहल की हैं।

इन पहलों का उद्देश्य नीतियों में बदलाव, निवेश, वित्तीय सहायता, तकनीकी हस्तक्षेप और value addition के विभिन्न प्रयासों के माध्यम से भारतीय कृषि को संरचनात्मक रूप से बदलना है। स्थिति की तात्कालिकता को पहचानते हुए, 28 जून, 2023 को Cabinet Committee on Economic Affairs (CCEA) ने 370,128.7 करोड़ रुपये की यूरिया सब्सिडी योजना को जारी रखने और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों को मंजूरी दी। सरकार sustainable agriculture और 141 अरब हेक्टेयर भूमि वाले 120 मिलियन से अधिक किसानों की भलाई के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहल इस प्रकार हैं:

यूरिया सब्सिडी योजना का विस्तार

CCEA ने 368,676.70 करोड़ रुपये आवंटित कर यूरिया सब्सिडी को 31 मार्च, 2025 तक विस्तार दिया है। इस विस्तार में 2022-23 से 2024-25 तक के वित्तीय वर्ष शामिल हैं। मोदी सरकार ने स्वदेशी उत्पादन पर बल दिया है, जिसके फलस्वरूप देश में यूरिया उत्पादन 2014-15 में 207.54 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से बढ़कर 2022-23 में 283.74 लाख मीट्रिक टन हो गई हैं। यूरिया सब्सिडी के विस्तार से यह उत्पादन में वृद्धि हुई है जिससे पूरे देश के किसानों को सस्ती यूरिया की उपलब्धता रहेगी।

नैनो यूरिया ecosystem को मजबूत बनाना

दुनिया में भारत पहला देश है जिसने दुनिया का पहला indigenous Liquid नैनो यूरिया विकसित किया है और भारतीय किसानों को सशक्त बनाने के लिए एक innovative, eco-friendly और economical product के साथ इसका व्यावसायिक उत्पादन किया है। मार्च 2023 तक, 76.5 मिलियन बोतलें का उत्पादन किया गया है, जो conventional यूरिया के 33.6 एलएमटी के बराबर है। 54.2 मिलियन बोतलें बेची गई हैं। 2025-26 तक, 195 MLT conventional यूरिया के बराबर 440 मिलियन बोतलों की उत्पादन क्षमता वाले 8 नैनो यूरिया प्लांट्स शुरू हो जाएंगे। किसानों को conventional DAP के effective और cost efficient के विकल्प के रूप में Nano DAP से भी परिचित कराया गया है।

देश को फर्टिलाइजर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरकार ने 6 यूरिया उत्पादन यूनिट कोटा, राजस्थान में चंबल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड; पानागढ़, पश्चिम बंगाल में मैटिक्स लिमिटेड; रामागुंडम, तेलंगाना में; गोरखपुर, उत्तर प्रदेश; सिंदरी, झारखंड; और बरौनी, बिहार में इन यूनिटो की स्थापना और पुनर्जीवित किया है। इन स्वदेशी उत्पादन यूनिटों और नैनो यूरिया

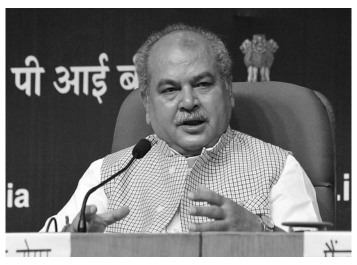

प्लांट के शुरू होने से यूरिया को आयात करने की आवश्यकता कम हो जाएगी और देश 2025-26 तक यूरिया के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा।

गोबरधन योजना के माध्यम से आर्गेनिक फर्टिलाइजर को बढ़ावा

Market Development Assistance (MDA) के तहत, सरकार अद्वितीय, बहुआयामी, Waste to Wealth गोबरधन पहल से जुड़े संयंत्रों में उत्पादित ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर के लिए 1,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। इस पहल में विभिन्न बायोगैस और नवीकरणीय ऊर्जा योजनाएं, स्वच्छता, waste management कार्यक्रम शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1,451.84 करोड़ रुपये खर्च किए जाने से भारत में ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर के विकास को और बढ़ावा मिलेगा, इसमें 360 करोड़ रुपये की रिसर्च गैप फंडिंग भी शामिल है। किसानों को वन-स्टॉप समाधान के रूप में कृषि इनपुट (जैविक उर्वरक सहित) सेवाएं प्रदान करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए, देश भर में लगभग 100,000 'प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र' स्थापित किए गए हैं।

PM PRANAM कार्यक्रम

सरकार ने पर्यावरण के अनुकूल और sustainable पहल के रूप में PM Programme for Restoration, Awareness Generation, Nourishment, and Amelioration of Mother-Earth (PM PRANAM) की शुरुआत की। यह योजना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने, वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने और रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग को प्रोत्साहित करती है। 2025-26 के लिए आवंटित प्रोत्साहन राशि 2026-27 में वितरित की जाएगी, जो sustainable agriculture के लिए सरकार के long term vision को उजागर करती है।

Innovative urea gold

'यूरिया गोल्ड' नामक नए युग के value-added यूरिया की शुरुआत की गई है, जिसमें सल्फर कोटिंग होती है। यह innovative coating फसलों को एक महत्वपूर्ण secondary plant nutrient, सल्फर उपलब्ध कराएगी। 'यूरिया गोल्ड' यूरिया की खपत को कम करता है और नाइट्रोजन को धीमी गति से रिलीज करता है जिससे फसल की उत्पादकता में वृद्धि होती है। यह sustainable फर्टिलाइजर यूरिया के संतुलित उपयोग करने के सरकार के प्रयासों को गति देगा।

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा हाल ही में दी गई मंजूरी sustainable कृषि और किसानों की भलाई के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यूरिया सब्सिडी योजना का विस्तार, पीएम प्रणाम की शुरूआत, गोबरधन के माध्यम से आर्गेनिक फर्टिलाइजर को बढ़ावा और यूरिया गोल्ड सभी पर्यावरण-अनुकूल और कुशल कृषि क्षेत्र के निर्माण में योगदान करते हैं। इन पहलों के अलावा, सरकार ने रासायनिक फर्टिलाइजर के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने और ऑर्गेनिक, bio और नैनो फर्टिलाइजर जैसे वैकल्पिक फर्टिलाइज़र को अपनाने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। इन प्रयासों का उद्देश्य भूमि को बेहतर बनाना और धरती माता का पोषण करना है।

मोदी सरकार ने राष्ट्र को समर्पित सेवा के नौ साल पूरे कर लिए हैं, कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और उत्थान के लिए लागू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर एक नए भारत की कल्पना के साथ किसानों के उत्थान एवम् कल्याण के उद्देश्य से कार्य कर रही है। किसान देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आजीविका को बढ़ाना, sustainable कृषि को बढ़ावा देना और कृषि क्षेत्र में समग्र विकास को बढ़ावा देना है। एक समृद्ध और समावेशी भारत बनाने के लिए सरकार सदैव प्रतिबद्ध रही है।

लेखक केंद्रीय कृषि मंत्री हैं एवं विचार व्यक्तिगत हैं।

कल्याण का धाम है शरीर

बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत कहो- गांधी जी की यह शिक्षा है। यह वेदों ने भी कहा है। हम केवल भद्र को सुनेंगे। दूसरों की निंदा सुनकर आदमी राक्षस हो जाता है। कान भी बुरी बातों को सुनने का आदी हो जाता है। चरस पीने वालों को दूसरा नशा काम नहीं करता, जैसे शराब पीने वाले को दूसरा पेय प्रभावित नहीं करता, सुकून नहीं देता। शुरू से ही हमें गलत, असभ्य बातों पर कान नहीं देना है। वेदों ने कहा कि हमें भद्र को सुनना है। भद्र माने? जो हमें विकृत प्रेरणा नहीं दे सकता। भद्र को ही सुनना और भद्र को ही देखना-सीखना चाहिए।

जब हम छोटे थे, तब लोग देखते थे कि हम किसे देख रहे हैं? यदि हमारा लड़का सयाना है और जिसे नहीं देखना चाहिए, उसे देख रहा है, तो बड़े लोग टोकते थे कि क्या देख रहे हो? मुझे गुरुजी का ध्यान है कि मेरे कमरे में खिड़की थी, खिड़की के पार एक परिवार के लोग रहते थे, बीच में गली थी। उस खिड़की से बाहर देखते हुए मुझे गुरुजी ने नहीं देखा, लेकिन जब वह देख लेते थे कि कभी खिड़की खुली है, तब वह कठोर शब्दों का प्रयोग करके मेरी भर्त्सना करते थे। पूछते थे, उधर की खिड़की क्यों खुली है? परिणाम यह कि पांच-पांच महीने निकल जाते, और मैं उस तरफ की खिड़की नहीं खोलता।

आज भी जहां रहता हूं, वहां खिड़की को नहीं खोलना है, आदत हो गई है। हमें बाहर क्या देखना है, कौन सी चीज कमरे में नहीं है, बाहर किसको देखकर हम वैज्ञानिक या विरागी हो जाएंगे? तो भद्र को ही सुनना, भद्र को ही देखना और भद्र को ही छूना, यह बच्चों को शुरू से बताना चाहिए। संत शिरोमणि डोंगरे जी का प्रवचन सुन रहा था। उन्होंने कहा, 'हम किसी को दो पैसे दे दें, उसे जब जरूरत हो, किंतु अपनी आंख और कान नहीं दें।' लोग अनावश्यक बहुत बोलते हैं और अनावश्यक बहुत सुनते हैं। आदमी किसी को भी सुन लेता है। हम क्यों सुनें? हम क्यों देखें? हमें देखने से कुछ अच्छा मिले, तो देखें? क्या जो भी मिलेगा, ग्रहण कर लेंगे? जीवन भर इंद्रियों का प्रयोग करना है, ईश्वर ने दिया है। हमारे कल्याण के संसाधनों का धाम है शरीर। जीवन को परिपूर्णता देने के लिए हमें शुरू से ही संसाधन मिले हैं। इन संसाधनों का प्रयोग भी हमें बतलाया जाए, छोटी ही आयु से। अभिभावक भी इस प्रयोग को करें। आज अभिभावक भी टीवी पर गलत देख रहे हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। हम अपने जीवन को सबके लिए लाभप्रद बनाएं। इसलिए इस बात पर ध्यान दीजिए, वह कौन सी शिक्षा होगी कि इसी संसार में अनेक महान विभूतियों ने ऋषित्व जीवन प्राप्त किया।

रामानंदाचार्य स्वामी श्रीरामनरेशाचार्य

जेपी का कांग्रेस पर आरोप

कलकत्ता 18 जुलाई। समाजवादी नेता श्री जयप्रकाश नारायण ने कल कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि 15 अगस्त के बाद से कांग्रेसी फासिस्ट होते जा रहे हैं और वे देश को अपनी नीति द्वारा विनाश की ओर ले जा रहे हैं। जनता को उनसे बहुत आशा थी कि वह थोड़े समय में ही सर्वसाधारण की स्थिति को उन्नत करेंगे, परन्तु किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग धोखे में था। कोई ऐसा परिवर्तन नहीं हुआ है जिसके लिए कांग्रेस गर्व कर सके। बल्कि इसके विपरीत अमीर और अमीर होते जा रहे हैं तथा गरीब और गरीब। प्रजातांत्रिक देशों में जिस दल की सरकार होती है वह शासन व्यवस्था में कोई हस्तक्षेप नहीं करता, परन्तु यहां कांग्रेस ही सब कुछ करती है। कांग्रेस यह समझ बैठी है कि वह स्वयं सरकार है और उसने यह भुला ही दिया है कि सरकार जनसेवकों की एक जमात है। सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी विभाग तक में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। हमने कांग्रेस में रहकर उसे समाजवादी संस्था बनाना चाहा परन्तु वह पूंजीवादी संस्था बनती जा रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

डॉ. महंत ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती के अवसर पर किया स्मरण

डॉ. खूबचंद बघेल ने छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़ियों के स्वाभिमान को स्वर दिया - डॉ महंत

रायपुर। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. खूबचंद बघेल जी के जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने स्वर्गीय श्री खूबचंद बघेल जी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय डॉ. बघेल हमारे छत्तीसगढ़ के पुरोधा पुरुष है। विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने कहा कि डॉ. बघेल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी से प्रभावित थे, वे अपनी शासकीय सेवा से त्यागपत्र देकर 1930 में गांधी जी के आंदोलन में शामिल हो गये, वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, पश्चात संपूर्ण जीवन उन्होंने छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सम्मान के लिए संघर्ष किया, उनके इसी योगदान को दृष्टिगत रखते हुए, उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रथम स्वप्नदृष्टा कहा जाता है । विस् अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल जी ने छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़ियों के स्वाभिमान को स्वर दिया, हमारी लोक संस्कृति, लोककला और लोक परंपराओं को उन्होंने अपने प्रयासों से राष्ट्रीय पटल पर स्थापित किया, उनके इस योगदान के लिए छत्तीसगढ़ का जन-जन अनंत काल तक कृतज्ञ रहेगा और छत्तीसगढ़ की भावी पीढ़ी के हृदय में उनके प्रति सम्मान का भाव सदैव शाश्वत और जागृत बना रहेगा।

रीपा में बने फाइल फोल्डर का वितरण किया गया विभागों को

जगदलपुर। कलेक्टर विजय दयाराम के. मार्गदर्शन में सी मार्ट के माध्यम से ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) में बने उत्पाद का क्रय विभिन्न विभागों द्वारा किया जा रहा है। मंगलवार को समय सीमा की बैठक में तोकापाल जनपद के ग्राम कोण्डालुर में संचालित रीपा में महिला स्व सहायता समूह द्वारा तैयार ऑफिस फाइल फोल्डर का वितरण 14 विभागों को किया गया। कलेक्टर ने रीपा में कार्य कर रही महिला समूह के सदस्यों से चर्चाकर फाइल फोल्डर की गुणवत्ता और बेहतर करने कहा। महिला समूह ने बताया कि पहली बार हमने इस प्रकार का कार्य किया है तो थोड़ी कमीपेशी होगी,हम इसमें सुधार कर बेहतर उत्पाद बनाकर देंगे। हमने फाइल फोल्डर को मार्केट दर से कम में बिक्री कर 20 रुपये प्रति नग रखा है। कलेक्टर के निर्देश रीपा की महिलाओं प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभिक तौर पर 14 विभागों को एक-एक हजार रुपए की राशि से रसीद देकर 50 फाइल फोल्डर वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर हरेश मंडावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संस्कृत के संरक्षण के लिए हो रहा बेहतर कार्य- चिंतामणि महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् द्वारा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल सभागार पेंशनबाड़ा रायपुर में आयोजित संस्कृत समारोह में उपस्थित अतिथियों संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज, अध्यक्ष खनिज विकास निगम गिरीश देवांगन, अध्यक्ष योग आयोग ज्ञानेश शर्मा, अध्यक्ष जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड विद्याभूषण शुक्ल, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शर्मा द्वारा वर्ष 2019 एवं 2020 के लिए संस्कृत विद्वानों और वर्ष 2019 के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव श्री चिंतामणि महाराज ने सम्मानित होने वाले सभी विद्वानों और छात्र-छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस सम्मान से संस्कृत के क्षेत्र में कार्य करने वाले में उत्साह जगेगा। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिष्ठित भाषा देव भाषा संस्कृत है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी संस्कृति और संस्कृत के संरक्षण तथा विकास के लिए कार्य कर रहें है। मुख्यमंत्री बघेल ने संस्कृति के क्षेत्र में कार्य कर लोंगो के मानस पटल पर लाया है, जिन्हें वे भुल चुके थे। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के पाठ्यक्रम में भी संस्कृत का विषय रखा गया है। चिंतामणि महाराज ने सस्कृत भाषा के और अधिक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताते हुए कार्ययोजना बनाकर कार्य करने कहा। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रदेश में संचालित संस्कृत पाठशालाओं में बच्चें और शिक्षक संस्कृत में ही वार्तालाप करें। इसके अलावा छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यालय में आपस में संस्कृत में वार्तालाप करें। कार्यक्रम को अध्यक्ष खनिज विकास निगम गिरीश देवांगन, अध्यक्ष योग आयोग ज्ञानेश शर्मा, छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् के अध्यक्ष डॉ. सुरेश शर्मा ने भी सम्बोधित किया। अतिथियों द्वारा सम्मान समारोह में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय भोपाल के प्रोफेसर डॉ. निलिम्प त्रिपाठी को वर्ष 2019 का राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार-महर्षि वेदव्यास सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2019 में संस्कृत में विशेष योगदान के लिए जिन संस्कृत विद्वानों को सम्मानित किया गया, उनमें राज्य स्तरीय पुरस्कार- महर्षि वाल्मीकि सम्मान डॉ. तोयनिधि वैष्णव रायपुर, लोमश ऋषि सम्मान सुदीप्त किशोर पंडा प्राचार्य वासुदेव संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अडभार पेण्ड्रा, ऋषि ऋष्यश्रृंग सम्मान डॉ. संतोष कुमार तिवारी व्याख्याता शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर और माता कौशल्या सम्मान डॉ. गरिमा ताम्रकार व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बटंग वर्तमान में छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामण्डलम् रायपुर को प्रदान किया गया। इसी प्रकार वर्ष 2020 के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार में महर्षि वाल्मीकि सम्मान डॉ. बालकृष्ण तिवारी रायपुर, ऋषि ऋष्यश्रृंग सम्मान चन्द्रभूषण शुक्ला महामाया मंदिर देवी पुरानी बस्ती रायपुर और माता कौशल्या सम्मान श्रीमती गीता शर्मा रायपुर को प्रदान किया गया। सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं में रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सामरबार की छात्रा कुमारी अनुराधा यादव, रामेश्वर गहिरा गुरू संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्रीकोट के छात्र बुधेश्वर पैकरा, संस्कृत विद्यालय दुर्गा सेवाश्रम जमड़ी के छात्र अविनाश कुमार और छात्रा कुमारी प्रिया जायसवाल शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने किया छत्तीसगढ़ी नाटक सुराजी गांव का विमोचन

नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना पर आधारित है नाटक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय में दुर्गा प्रसाद पारकर की नाट्य रचना 'सुराजी गांव' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री को श्री पारकर ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ी नाटक राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना नरवा, गरूवा घुरूवा, बाड़ी पर आधारित है।

उन्होंने इस नाटक में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रही योजना नरवा, गरूवा घुरूवा, बाड़ी से ग्रामीणों के जीवन में आ रहे बदलाव को रेखांकित किया है। 'सुराजी गांव' रचना के माध्यम से उनका प्रयास राज्य सरकार की इस कल्याणकारी योजना के विषय में लोगों को जागरूक करना है ताकि लोग इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्गा प्रसाद पारकर को किताब के प्रकाशन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, राजेंद्र निषाद, संतोष निषाद, दानिश्वर कुमार, लोकेश चन्द्राकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अगर यूपीएससी परीक्षा को लेकर है कोई डाउट तो, आइए समाधान के लिए हो रही है टॉपर्स टॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। यदि हमारी शहर के युवा यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर आईएएसी-आईपीएस अफसर बनना चाहते है, तो उनके लिए एक सुनहरा अवसर है। हमारे शहर में टॉपर्स टॉक का आयोजन हो रहा है। यह 21 जुलाई सुबह 10 बजे पं दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। उस दिन बैच 2022 के यूपीएससी टॉपर युवाओं के बीच होंगे और अपने सफलता के अनुभव साझा करेंगे।

इस दिन छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों को यूपीएससी की सिविल सर्विसेस परीक्षाओं के टॉपर्स से मिलने, बात करने का सुनहरा मौका मिलने वाला है। यूपीएससी परीक्षा में पहले तीन स्थानों पर चयनित टॉपर्स रायपुर आ रहें है।

यूपीएससी की 2022 सिविल सेवा परीक्षा की टॉपर इशिता किशोर के साथ सेकेण्ड टॉपर गरिमा लोहिया और नौवाँ स्थान प्राप्त करने वाली कनिका गोयल भी रायपुर आ रहीं हैं। साथ ही 2022 की परीक्षा में 17वीं रैंक पाने वाले अविनाश कुमार, छत्तीसगढ से सर्वोच्च रैंक पाने वाले अभिषेक चतुर्वेदी और 2021 की परीक्षा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रखर चंद्राकर भी इन टॉपर्स के साथ रहेंगे। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने इस बारे में बताया कि जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर आईएएस, आईपीएस जैसे पदों पर चयनित होने की इच्छा रखने वाले परीक्षार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 21 जुलाई को टॉपर्स टॉक आयोजित की जा रही है। दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से होने वाली इस टॉपर्स टॉक में स्थानीय प्रतियोगियों को चयनित टॉपर्स से यूपीएससी क्रेक करने की टिप्स मिलेंगी।

यूपीएससी की सिविल सर्विसेस परीक्षा को क्रेक करने के लिए पढ़ने के तरीके, पढ़ने का सिलेबस, समय प्रबंधन, दैनिक दिनचर्या से लेकर मनोरंजन, खाने पीने से लेकर अन्य सभी विषयों पर टॉपर्स के सुझाव स्थानीय प्रतिभागियों को मिलेंगे। डॉ. भुरे ने बताया कि टॉपर्स टॉक के आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के यूपीएससी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करना है।

वाहन मालिकों को मिल रही ऑनलाइन हाइपोथिकेशन हटाने की सुविधा

परिवहन विभाग का नवाचार: 1.29 लाख वाहन मालिकों को मिल चुका है लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के परिवहन विभाग की नवाचारी पहल से वाहन मालिकों को बड़ी सुविधा मिली है और बैंक हाइपोथिकेशन से जुड़ी सेवाओं को फेसलेस करने से अब वाहन मालिक घर बैठें ही हाइपोथिकेशन हटाने की सेवा का लाभ ले रहें हैं।

हाइपोथिकेशन के लिए वाहन मालिकों को अब बैंक और आरटीओ कार्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ती है और ना ही फॉर्म 35 या बैंक से एनओसी लाने की ज़रूरत पड़ती है। अब तक राज्य के 1 लाख 29 हजार 567 वाहन मालिकों को फेसलेस हाईपोथीकेशन टर्मिनेशन का लाभ मिल चुका है। परिवहन विभाग द्वारा लगभग 75 बैंकों, वित्तीय संस्थानों और गैर वित्तीय कंपनियों को हाइपोथीकेशन सेवाओं के साथ एकीकृत भी कर दिया गया है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाइपोथिकेशन टर्मिनेशन के लिए पहले परिवहन विभाग में पृथक से आवेदन करने की आवश्यकता होती थी। इसके लिए पहले वाहन स्वामी को बैंक जा कर फॉर्म 35 और एनओसी लेना पड़ता था फिर आरटीओ में ऑनलाइन फॉर्म भरना पड़ता था उसके बाद फॉर्म और एनओसी को जमा करने आरटीओ ऑफिस जाना पड़ता था। जिसे अब पूर्णत: फेसलेस कर दिया गया है। हाइपोथिकेशन समाप्ति के लिए आरटीओ कार्यालय द्वारा भौतिक दस्तावेज देने की ज़रूरत नहीं है। ऋण देने वाली संस्थाओं के द्वारा जैसे ही लोन क्लोज किया जाएगा वो जानकारी 24 घंटे के भीतर परिवहन विभाग के वाहन सर्वर में ऑनलाइन अपडेट हो जाएगी। इसके बाद किसी भी भौतिक दस्तावेज या आवेदन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लोन क्लोज़र के बाद परिवहन विभाग में हाइपोथिकेशन टर्मिनेशन को सत्यापित और अनुमोदित करने का काम स्वत: ही हो जाएगा। परिवहन विभाग द्वारा हाइपोथिकेशन के स्वत: टर्मिनेशन के बाद एम परिवहन तथा डीजी लॉकर पर अपडेटेड आरसी उपलब्ध करा दी जाएगी और एसएमएस के माध्यम से हाइपोथिकेशन हटाने की सूचना वाहन मालिकों को मिलेगी।

क्या होता है हाइपोथैकेशन- जब भी कोई गाड़ी किसी बैंक से लोन लेकर ख़रीदी जाती है तो एक तरह से गाड़ी बैंक के पास गिरवी या बंधक होती है।

आप लोन लिए ह्यूज गाड़ी में कोई भी कार्य बैंक के अनुमति के बिना नहीं कर सकते है। आपकी गाड़ी हाइपोथैकेशन में है, यह जानने के लिये आप आरसी में देखेंगे तो यदि नीचे बैंक का भी नाम लिखा है तो वो गाड़ी बैंक के पास बंधक है जब लोन पटा दिया जाता है तो हाइपोथैकेशन हटाने से बैंक का नाम हट जाता है।

धान खरीदी व्यवस्था के लिए मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक संपन्न

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप राज्य के किसानों से खरीदा जाएगा प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा की अनुरूप छत्तीसगढ़ में पंजीकृत किसानों से आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2023-2024 में 20 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जाएगी। खाद्य मंत्री अमरजीत की अध्यक्षता में विधानसभा स्थित सभाकक्ष में धान खरीदी और कस्टम मिलिंग की नीति की समीक्षा कर सुझाव देने हेतु गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक हुई।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में प्रदेश के पंजीकृत किसानों से 125 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का अनुमानित लक्ष्य रखा गया है। मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का उपार्जन, कृषक पंजीयन, बारदाना एवं वित्तीय व्यवस्था संबंधी नीति के निर्धारण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। मंत्रिमंडलीय उपसमिति के सदस्यों में कृषि उत्पादन मंत्री ताम्रध्वज साहू और वन मंत्री मोहम्मद अकबर बैठक में शामिल हुए। बैठक में वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहकारिता मंत्री रवीन्द्र चौबे भी जुड़े। मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में मंत्रियों ने कहा कि राज्य में सहकारी समितियों के माध्यम से सुचारू रूप से धान खरीदी का संचालन किया जाता है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष व्यापक मात्रा में राज्य के किसानों से धान की खरीदी किया जाना है। इसलिए सहकारी समितियों को और अधिक मजबूत किए जाने पर बल दिया गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों एवं फैसलों के कारण विगत चार सालों में किसानों की संख्या और रकबा में लगातार वृद्धि हुई है। कृषि उत्पादन भी तेजी के साथ बढ़ा है। धान खरीदी के साथ-साथ धान के उठाव के कारण धान का निष्पादन आसानी से संपन्न हुआ है। इस वर्ष भी किसानों को सहुलियत प्रदान करने और धान विक्रय के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही है। बैठक में अधिकारियों ने चर्चा के दौरान बताया कि राज्य में इस खरीफ सीजन में धान का क्षेत्राच्छादन 33.61 लाख हेक्टेयर अनुमानित है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा विपणन वर्ष 2023-24 में घोषणा के अनुरूप किसानों से प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। अनुमानित धान खरीदी के लिए सहकारी समितियों में धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। इसमें किसानों के पंजीयन से लेकर बारदाने की व्यवस्था, खरीदी केन्द्रों में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं, भुगतान की व्यवस्था आदि का संधारण कार्य किया जा रहा है।

मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, सहकारिता विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, गोधन न्याय योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अय्याज भाई तंबोली, चिप्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रितेश अग्रवाल, खाद्य विभाग के विशेष सचिव एम. सोनी, फुड एवं सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन के संचालक जितेन्द्र शुक्ला, कृषि विभाग के संचालक श्रीमती रानू साहू, अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के. एन. कान्डे सहित संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डायरिया होने पर शरीर में पानी की कमी न होने दें

रायपुर। बरसात के मौसम में कई बीमारियों की आशंका रहती है। डायरिया भी इनमें से एक है। डायरिया दूषित जल के सेवन से होने वाली बीमारी है जो जरा सी लापरवाही के चलते गंभीर रूप धारण कर सकती है तथा इससे व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। छोटे बच्चों में डायरिया की बीमारी बहुत खतरनाक हो सकती है, क्योंकि यह बच्चे को एक दिन में ही बहुत ज्यादा कमजोर कर देता है। भारत में जन्म से पांच वर्ष तक के बच्चों में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण डायरिया है। डायरिया के प्रमुख लक्षणों में बार-बार मल त्याग करना, मल बहुत पतला होना, तीव्र दशाओं में रोगी के पेट के पूरे निचले भाग में दर्द और बेचैनी महसूस होना प्रमुख है। बीमारी बढ़ने पर आंतों में मरोड़ या पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द भी होने लगता है।

BIG BRAND
Premium Store

30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

विपक्ष का साझा राजनैतिक गठबंधन, देश के जनता की आवाज-दीपक बैज

रायपुर। साझा विपक्ष के 26 राजनैतिक दलों की बैठक का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख 26 राजनैतिक दलों का एक साथ एकत्रित होना इस बात का प्रमाण है कि देश की जनता बदलाव के मूड में है तथा मोदी के कुशासन से मुक्ति चाहती है यह एकजुटता सिर्फ26 राजनैतिक दलों की एकजुटता नहीं है यह देश की 65 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के प्रतिनिधित्व करने वाले दलों ढ्ढ..ह्.ष्ठ.ढ्ढ.. की आवाज है जो 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कुशासन के खिलाफएकजुट हो चुकी है। आजादी के बाद पहली बार देश में एक ऐसी सरकार बनी है जो देश के संविधान और संवैधानिक मूल्यों पर प्रहार कर रही है। 2024 के पहले होने वाले 5 राज्यों के 2023 के विधानसभा के चुनावों में भी कांग्रेस विजयी होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार विपक्षी दलों की निर्वाचित सरकारों को कमजोर करने का षड्यंत्र करती है देश के संघीय ढांचे पर प्रहार करना भाजपा की मोदी सरकार का मूल चरित्र बन गया है। केंद्रीय एजेंसियों ईडी, सीबीआई का दुरुपयोग कर विपक्षी सरकारों को अस्थिर करना धन, बल और सत्ता बल का दुरुपयोग कर विपक्ष की सरकारों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा, कर्नाटका में जो हुआ था उससे देश का लोकतंत्र कलंकित हुआ है। देश की जनता भाजपा के इस कदम से आक्रोशित है। यह साझा गठबंधन उसी आक्रोश की अभिव्यक्ति है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था लगातार गर्त में जा रही है। देश की जीडीपी 8.2 से गिरकर 5.7 हो गयी है। विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ने से आयात पर निर्भरता तेजी से बढ़ रही है। देश पर कुल कर्ज का भार 3 गुना बढ़ चुका है।

मुख्यमंत्री को शिव महापुराण कथा में शामिल होने का मिला न्योता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से यहां विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा के शिव महापुराण वाचन कार्यक्रम के आयोजक मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को आयोजकों ने शिवमहापुराण कथा में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा शिवमहापुराण कथा का आयोजन तिल्दा नेवरा में दिनांक 1 से 7 अगस्त 2023 तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शिवमहापुराण कथा में आमंत्रण के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर घनश्याम अग्रवाल, अंकित अग्रवाल,आदित्य बंसल, देवेंद्र अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गौठान पहुंचकर महापौर ने मनाया हरेली पर्व, नगर वासियों को दी बधाई

कोरबा। गोकुल नगर स्थित गोठानों में हरेली पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया इसके मुख्य अतिथि महापौर राजकिशोर प्रसाद रहे साथ में निगम के सभापति श्याम सुन्दर सोनी तथा सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। महापौर प्रसाद व अन्य अतिथियों ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर विधि पूर्वक पूजन किया उसके पश्चात् खेती में लगने वाले औजार तथा गौ-माता का पूजन कर उन्हें गुड़ चारा खिलाकर गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा नगर वासियों को हरेली पर्व की बधाई दी तथा सबके जीवन में खुशहाली की कामना की। उसके पश्चात् छत्तीसगढ़ की पारंपरिक गेढ़ी चढक़र परंपरागत खेलों का आनंद लिया। हरेली पर्व के दौरान श्री प्रसाद ने कहा हरेली पर्व छत्तीसगढ़ राज्य का बहुत ही लोकप्रिय त्यौहार है। इसे वर्ष का पहला त्यौहार माना जाता है। इस त्यौहार को प्रत्येक किसान भाई.-बहनें बड़े उत्साह के साथ मनाते है तथा भिन्न-भिन्न प्रकार के व्यंजनों का आनंद उठाते है। सभापति सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्य छग राज्य के किसानों की चिन्ता करते है और विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी वर्ग के लोगों का जीवन स्तर ऊँचा उठाने का प्रयास करते रहते है।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सामने परिवार ने रखी थी तकलीफ

8 साल बाद वर्षा ने सुनी मां की आवाज, 'कका' कहकर मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

भावुक परिवार ने विधानसभा में मुख्यमंत्री से मिलकर जताया आभार, कहा- जिंदगी भर नहीं भूलेंगे आपका सहयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ''मां ने मुझे जन्म दिया, पिता ने अभयदान, उनके प्यार दुलार को सुनने कका, तुमने मुझको दिया जीवनदान'' इन भावुकतापूर्ण शब्दों से ज़ाहिर होती भावनाएं उस आठ साल की बिटिया वर्षा की हैं, जिसने श्रवण बाधित होने की वजह से जन्म से कभी अपनी मां की आवाज़ ही नहीं सुनी थी। मगर अब नन्हीं वर्षा के जीवन मे खामोशी नहीं स्वर गूंज रहे हैं।

आज वर्षा का भावुक परिवार विधानसभा पहुंचा था। उनके पास मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने के लिए शब्द नहीं सूझ रहे थे। बिटिया ने समस्या स्वत: ही हल कर दी। बिटिया ने अपनी मीठी आवाज में कहा, धन्यवाद कका। मुख्यमंत्री ने बिटिया को खूब दुलारा। इस बिटिया को अपनी आवाज काक्लियर इम्प्लांट से वापस मिल गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर एम्स रायपुर में वर्षा बिटिया का सफल इंप्लांट हुआ है। नन्ही वर्षा जीवन में पहली बार अपने माता पिता की आवाज़ सुन रही है। माता को पहली बार मां बुला रही है और छोटे भाई को बाबू कह रही है। इसी खुशी को जाहिर करने वर्षा का परिवार आज विधानसभा पहुंचा और मुख्यमंत्री का आभार जताया। जब पहली बार आवाजों की दुनिया को महसूस कर रही वर्षा बिटिया ने मुख्यमंत्री को 'कका' कहकर पुकारा तो मुख्यमंत्री भावविभोर होकर बिटिया को खूब आशीर्वाद दिया। वर्षा के परिवार ने आभार जताते हुए मुख्यमंत्री का पोर्ट्रेट उन्हें भेंट किया और कहा कि वे ज़िंदगी भर इस सहयोग को नहीं भूलेंगे। मुख्यमंत्री ने परिवार को आश्वस्त किया कि स्पीच थेरेपी से बिटिया को नए शब्द सीखने और भाषाज्ञान कराने में भी हरसंभव मदद की जाएगी।

एक मां के लिए इससे बड़ी दु:ख की बात क्या हो सकती है कि पिछले 8 सालों से उसकी बेटी ने उसकी आवाज ही नहीं सुनी और शायद उस मां का यह दु:ख जीवन भर बना रहता, यदि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भेंट मुलाकात के दौरान कोरिया ना आते और परिवार अपने मुखिया के सामने अपना दु:ख साझा न कर पाते। इसी का परिणाम हुआ कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वर्षा की कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी हुई और आज वर्षा अपनी मां और दुनिया की हर आवाज को सुन सकती है और उसे महसूस कर सकती है।

दरअसल 8 साल की वर्षा को बचपन से ही सुनने और बोलने की तकलीफ थी, जिससे उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वर्षा के परिवार ने उसका बहुत इलाज कराया, लेकिन तकलीफ दूर नहीं हुई। कोरिया में भेंट-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल के सामने परिवार ने अपनी बात रखी और आग्रह किया कि बेटी के इलाज में सहयोग करें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तत्काल जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्षा के इलाज में पूरी सहायता करें।

वर्षा के पिता मुकेश मिश्रा ने बताया कि वर्षा को प्रशासन के सहयोग से रायपुर एम्स में भर्ती कराया गया और कुशल चिकित्सकों के द्वारा वर्षा की सफल कॉक्लियर इंप्लांट सर्जरी की गई। पिता श्री मिश्रा बताते हैं कि वर्षा अब सुनने लगी है और आवाज सुनकर प्रतिक्रिया दे रही है। अब वह धीरे-धीरे बोलना भी सीख रही है। वर्षा के माता-पिता और परिजनों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बहुत संवेदनशील हैं और आज उनके सहयोग से ही वर्षा को नया जीवन मिला है। इस अवसर पर संसदीय सचिव चन्द्रदेव राय, विधायक विनय जायसवाल, कुलदीप जुनेजा तथा मुकेश मिश्रा, श्रीमती ज्योति मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

72 किसान परिवारों को चाय की खेती से मिला रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण जशपुर जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां की जलवायु मिट्टी चाय और काफी की खेती के लिए बहुत उपयुक्त है। जिला प्रशासन, स्थानीय किसानों को चाय-काफी के साथ ही साथ फल-फूल, मसालें की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

अब जिले के किसान धान की खेती के अतिरिक्त मसालें और मौसम के अनुकूल फसल लेने लगे हैं। प्रशासन ने किसानों को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ ही असम, कोलकत्ता, दार्जलिंग जैसे अन्य राज्यों में भ्रमण के लिए भेज रही है। ताकि किसान स्वयं फसल की बारिकियों को जान सकें। जशपुर जिले के मनोरा और बगीचा विकासखण्ड के 72 किसानों के परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है तथा 1 हजार से अधिक मजदूरों को रोजगार मिला है।

बगीचा विकासखंड के ग्राम छिछली (अ) एवं मनोरा विकासखंड के ग्राम केराकोना में चाय की खेती के क्षेत्र विस्तार के तहत किसानों की निजी भूमि मनरेगा और विभागीय योजना डीएमएफ के तहत लगभग 95 एकड़ भूमि में 3 लाख 58 हजार 500 चाय का पौधा लगाया जा रहा है। चाय के विशेषज्ञों के द्वारा किसानों के खेतों में भ्रमण कर खेती के संबंध में चर्चा की गई और तकनीकी जानकारी भी दिया जा रहा है। इससे स्थानीय किसानों में चाय की खेती के प्रति रूचि बढ़ी है। जिला प्रशासन ने 100 एकड़ कृषि भूमि में चाय पौध रोपण की कार्ययोजना भी तैयार किया है।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 1145 बच्चों का कराया गया स्वर्णप्राशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्ति वर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर में आज 1145 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। जनसामान्य को इसके प्रति जागरूक करने आज पाम्पलेट वितरण, आईक्यू मूल्यांकन और बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ नि:शुल्क औषधि का वितरण भी किया गया। शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया। स्वर्णप्राशन में महाविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग के एमडी तथा स्नातक छात्र-छात्राओं का विशेष सहयोग रहा। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय द्वारा इस वर्ष पांच अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 9 जनवरी को 831, 4 फरवरी को 1124, 24 मई को 835, 20 जून को 1012 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया था।

सहकारी क्षेत्र के लिए नाबार्ड की भूमिका संरक्षक की तरह: बैजनाथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) में 42 वां स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर ने कहा कि कोआपरेटिव्ह बैंकों तथा सहकारी सोसाइटी के लिए नाबार्ड की भूमिका संरक्षक की तरह होती है। उन्होंने अवगत कराया गया कि नवा रायपुर में अपेक्स बैंक द्वारा अत्याधुनिक नवीन ट्रेनिंग सेंटर खोली जाएगी।

श्री चन्द्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा भेंट मुलाकात के दौरान की गई घोषणा के अनुरूप सहकारी बैंकों की अधिक से अधिक शाखाएं खोलने हेतु नाबार्ड तथा आरबीआई स्तर पर समुचित पहल किये जाने पर जोर दिया गया हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री की पहल पर सहकारी क्षेत्र में अमूल परिवर्तन हुआ है। 725 नवीन सोसाइटीज़ का गठन करते हुए कुल राशि 185 करोड़ गोदाम सह-कार्यालय निर्माण के लिए राशि स्वीकृत किया गया है। प्रदेश के 2058 सोसाइटियों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, गोधन न्याय योजना, कृषि आदान सामग्री का वितरण आदि कार्य किया जा रहा है। इससे छत्तीसगढ़ में सोसाइटीज़ आर्थिक रूप से सुदृढ़ हुई है।

नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ ज्ञानेंद्र मणि ने सहकारी बैंकों की सतत मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सहकारिता की मजबूती के लिए हमें और अधिक कार्य करना है। कृषि में 'स्केल आफफइनेंसिंग' बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। सोसाइटियों में बिजनेश पोटेंशियल बहुत है। पैक्स के कार्य व्यवसाय को बढ़ाने के लिए कृषि तथा गैर कृषि क्षेत्र में बड़ी सम्भावनाएं है। गुजरात तथा सूरत में कई पैक्स द्वारा मल्टी एक्टिविटी बिजनेस किया जा रहा, जिसे अपनाया जा सकता है।

नाबार्ड के स्थापना दिवस कार्यक्रम में नाबार्ड महाप्रबंधक सुरेन्द्र बाबु, नाबार्ड महाप्रबंधक शीतांशु शेखर, नाबार्ड डीजीएम बी मिश्रा, नाबार्ड डीजीएम ध्रुब्राज सिंह, अपेक्स बैंक डीजीएम भूपेश चंद्रवंशी, प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी तथा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के अध्यक्षगण-रायपुर पंकज शर्मा, अम्बिकापुर रामदेव राम, बिलासपुर प्रमोद नायक, राजनंदगाव नवाज खान सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारीगण - रायपुर प्रभात मिश्रा, दुर्ग श्रीमती अपेक्षा व्यास, जगदलपुर एस के जोशी, अम्बिकापुर एस के वर्मा, राजनांदगांव सुधीर सोनी तथा बैंकों के संचालक मंडल के सदस्यगण मौजूद थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

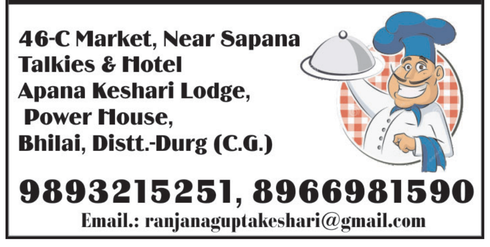

योग से सूजन संबंधी बीमारियों का खतरा कम

“ नियमित रूप से योग करने वालों को सूजन संबंधी ऐसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है जिनके चलते आगे जा कर कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां, कैंसर और अल्झाइमर हो सकता है। यह खुलासा भारतीय विज्ञान संस्थान ने एक अध्ययन में किया है जो जर्नल ऑफ क्लीनिकल एंड डाइग्नोस्टिक रिसर्च में प्रकाशित हुआ है।

एम एस रामैया मेडिकल कॉलेज के साथ संयुक्त रूप से किए गए इस अध्ययन में कहा गया है कि सूजन (इनफ्लमेशन) वास्तव में किसी तरह की चोट लगने पर हमारे शरीर द्वारा व्यक्त प्रतिक्रिया है। जब चोट लगती है तो उससे निपटने के लिए रक्त में प्रदाहकारी साइटोकाइन का स्त्राव होता है जो कि कोशिकाओं को संकेत देने वाले प्रोटीन हैं।

अध्ययन में कहा गया है कि नियमित योग करने से प्रदाहकारी साइटोकाइन ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर (टीएनएफ) अल्फा और इंटरल्यूकिन-6 (आईएल-6) के स्तर को अनुकूल बनाए रखने में मदद मिल सकती है। योग श्वांस लेने, चिंतन और शारीरिक व्यायाम का ऐसा संतुलन है जो तन एवं मन के लिए स्वास्थ्यकर होता है।

चोट या संक्रमण की स्थित में शरीर की प्रतिरोधक प्रतिक्रिया का नियमन जरूरी है। ठीक इसी समय टीएनएफ-अल्फा एवं आईएल-6 का असंतुलन भी नुकसानदायक हो सकता है क्योंकि तीव्र प्रदाह की स्थिति में इनका अत्यधिक स्राव ट्यूमर बनने सहित अन्य घातक प्रभाव डाल सकता है। अगर प्रदाहकारी साइटोकाइन्स को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह दोधारी तलवार की तरह काम कर सकता है। अध्ययन में पाया गया है कि नियमित योग करने से प्रदाहकारी साइटोकाइन्स का स्तर अधिक नहीं बढ़ता।

अनुसंधानकर्ताओं ने टीएनएफ-अल्फा और आईएल-6 के स्तरों का योग करने वालों और योग न करने वालों पर प्रभाव का अध्ययन किया। परिणामों से पता चलता है कि पिछले पांच साल से नियमित एक घंटा योग करने वालों को जलन एवं सूजन संबंधी बीमारियों का खतरा कम था क्योंकि उनमें टीएनएफ-अल्फा और आईएल-6 का स्तर कम पाया गया।

हालांकि योग करने और योग न करने वालों में हालांकि टीएनएफ-अल्फा और आईएल-6 में वृद्धि देखी गई लेकिन यह वृद्धि योग न करने वालों में अधिक थी। अनुसंधान में बताया गया है कि योग की अवधि बढ़ने के साथ साथ प्रदाहकारी साइटोकाइन्स के स्तर में कमी आती है, खास कर तब जब योग करने वाले विभिन्न शारीरिक मुद्राएं करते हैं।

एम एस रामैया मेडिकल कालेज के फिजियोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर अंबरीश विजय राघव ने कहा ‘नियमित योग करने वालों में विभिन्न आसन करने की वजह से प्रदाहकारी साइटोकाइन का स्तर तेजी से नहीं बढ़ता।’ इसके अलावा दोनों समूहों के लिपिड प्रोफाइल से पता चलता है कि कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लाइसेराइड और वीएलडीएल (वेरी लो डेन्सिटी लिपोप्रोटीन) की मात्रा योग न करने वालों में अधिक पाई गई जबकि योग करने वालों में एचडीएल (हाई डेन्सिटी लिपोप्रोटीन(का स्तर अधिक था। एचएलडी को ‘गुड कोलेस्ट्रॉल’ कहा जाता है।

माथे की बिंदी रखेगी सेहत का ख्याल

माथे की बिंदी अब महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने के साथ उनकी हेल्थ का भी ख्याल रखेगी। नासिक में बनी एक खास बिंदी महिलाओं में आयोडीन की कमी को पूरा करेगी। महाराष्ट्र और राजस्थान में महिलाएं इस जीवन रक्षक बिंदी का इस्तेमाल भी कर रही हैं। अगस्त तक उत्तर प्रदेश की आदिवासी महिलाओं तक यह बिंदी पहुंचेगी। प्रदेश के ट्राइबल एरिया के सरकारी अस्पतालों के जरिए यह बिंदी मुफ्त बांटी जाएगी।

यह बिंदी नासिक स्थित एनजीओ नीलवसंत मेडिकल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर की ओर से देश की महिलाओं को बांटी जा रही है। इस बिंदी को बनाने में सिंगापुर की संस्था ग्रे ऑफ गुड भी अपना सहयोग दे रही है। इस बिंदी को बनाने का मकसद महिलाओं को आयोडीन की कमी के कारण होने वाली बीमारियों से बचाना है।

● ऐसे काम करती है बिंदी

एनजीओ नीलवसंत की कोऑर्डिनेटर कंचन गवली ने बताया कि आयोडीन त्वचा के माध्यम से भी शरीर में प्रवेश कर सकता है। इसलिए बिंदी को आयोडीन के सॉल्यूशन में खासतौर पर पैच करके तैयार किया गया है। इसे जब महिलाएं माथे पर लगाएंगी तो उनको पूरे दिन भर की जरूरत के हिसाब से आयोडीन मिल सकेगा। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। बिंदी से रोजाना महिलाओं को 100 से 150 माइक्रोग्राम आयोडीन मिल सकेगा। इसका नाम जीवन रक्षक बिंदी रखा गया है।

● 7.1 करोड़ महिलाओं में आयोडीन की कमी

कंचन गवली ने बताया कि नेशनल आयोडीन डेफिशियेंसी डिसऑर्डर कंट्रोल के प्रोग्राम के आंकड़े बता रहे हैं कि देश में 7.1 करोड़ महिलाएं आयोडीन की कमी से जूझ रही हैं।

नाचने से खर्च होती है कैलोरी

अकसर कहा जाता रहा है कि नृत्य सबसे अच्छा व्यायाम हैं, लेकिन यह मोटापे को दूर करने में भी बहुत लाभकारी है। इसके अलावा डांस से डिप्रेशन से उबरने में भी मदद मिलती है। डांसिंग एक साथ कई सारे फायदों का खजाना है। इन्हीं फायदों को देखते हुए टीवी पर कई रियलिटी शो भी शुरू किए गए हैं, जिनका मकसद टैलंट के साथ हेल्थ को भी बढ़ावा देना है। महज 30 मिनट की डांसिंग से 150 कैलोरी कम की जा सकती है। सबसे अच्छी चीज है कि इसमें किसी पार्टनर या ग्रुप की जरूरत नहीं होती। लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल के फिजियोथेरेपिस्ट अरविंद कुमार के मुताबिक डांस के जरिए आप फिजिकली और मेंटली स्ट्रॉन्ग बनते हैं।

डांस से बहुत पसीना बहता है, जिससे निगेटिव हार्मोन्स कम होते हैं और खुशी देने वाले हार्मोन्स रिलीज होना शुरू होते हैं। यही नहीं बिजी होने पर निगेटिव थॉट्स खुद ब खुद कम हो जाते हैं। नई एक्टिविटी, जगह और नया सर्कल पुरानी यादों से बाहर निकलने में साइकोलॉजिकल हेल्प करता है। डांस से मसल्स रीलैक्स होती हैं और स्ट्रेस खत्म होता है। डांस करना भी शारीरिक व्यायाम का ही एक तरीका है जो हर उम्र के लोगों के लिए हर लिहाज से फायदेमंद साबित होता है। डांस के कई तरीके होते हैं और सबके अपने फायदे। हिप-हॉप हिप-हॉप करते वक्त बॉडी के सारे पाट्र्स और मसल्स का मूवमेंट होता है। हाथ-पैर, कमर, पीठ सभी की सही एक्सरसाइज हो जाती है। 60 मिनट के हिप-हॉप से 370 कैलोरी एक साथ बर्न की जा सकती है। सालसा डांसिंग के इस फॉर्म से 60 मिनट में लगभग 405 कैलोरी बर्न की जा सकती है। अलग-अलग वजन वाले लोगों में कैलोरी बर्न होने की मात्रा भी अलग-अलग होती है। बैले बहुत सारे और अलग-अलग मूवमेंट्स वाले इस डांस के द्वारा एक घंटे में 380 से 450 कैलोरी तक बर्न करके मोटापा कम किया जा सकता है। इसके साथ ही बॉडी की फ्लेक्सिबिलिटी और पैर के मसल्स भी स्ट्रॉन्ग होते हैं। ब्रेक डांस फेमस और सबके फेवरिट इस डांस मूवमेंट से 400 से 650 कैलोरी एक घंटे में बर्न की जा सकती है। डांस के इस फॉर्म में सबसे ज्यादा फायदे हैं। फोक डांस इस डांस को आराम से करते हुए 250 से 330 कैलोरी और फास्ट मूवमेंट करते हुए 310 से 420 कैलोरी बर्न होती है।

मानसून में भी बने रहें स्टाइलिस्ट

इन दिनों हो रही बारिश मानसून की शुरूआत का संकेत है, लेकिन आर्द्रता और उमस आपके स्टाइल तथा आराम पर भारी सकती है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि इस सीजन में अपने परिधानों और एसेसरीज में थोड़ा उलटफेर कर फैशनपरस्त बने रह सकते हैं। फैशन ब्रांड अंतरदेसी और नवेली के डिजानइर मनीष त्रिपाठी ने मानसून में स्टाइलिश बने रहने के कुछ ऐसे ही टिप्स की सूची बनाई है।

महिलाओं के लिए :-

- **मानसूनी रंग :** मानसून में चटख रंग पहनें। इस अनमने से मौसम में चटख और सुर्ख रंग आपको भीड़ से अलग से दिखाएंगे।
- **लंबाई पर दें ध्यान :** मध्य लंबाई की रंग-बिरंगी पोशाक मानसून के लिहाज से एकदम उचित और साथ ही ट्रेंडी हैं।
- **एसेसरीज :** चटख रंगों वाले वाटरप्रूफ बैग तथा रेनकोट अपनाएं। एक सुंदर सा छापेदार स्कार्फ ले सकती हैं, यह आपको फुहारों या उमस से बचा सकता है।
- **खुले जूते-चप्पल आजमाएं :** रंग-बिरंगे और ध्यान खींचने वाले खुले-खुले जूते चप्पल चुनें, जिनमें पंजा खुला रहे। फैंसी जूते न पहनें।

पुरूषों के लिए :-

- ढीली-ढाली टीशर्ट न पहनें और स्टाइलिश दिखें।
- इस मौसम में चमड़े के जूतों को अलविदा कहें और धोए जा सकने वाले स्नीकर्स या लोफर्स चुनें।
- अगर आप इस मौसम में डेनिम पहनना चाहते हैं, तो ढीली-ढाली डेनिम पहनें, क्योंकि मानसून में पसीना और चिपचिपापन बहुत होता है।
- एक बढ़िया से ब्रेसलेट या वाटरप्रूफ घडी पहनें और खुद में चार चांद लगाएं। ये चीजें साबित करेंगी कि आप और आपका स्टाइल दोनों ही बारिश के इस मौसम के लिए बिल्कुल तैयार हैं।

लिखने के शौक को भी बना सकते है बेस्ट कैरियर ऑप्शन

लिखने की कला हर किसी में नहीं होती है और जिनमें लिखने का हुनर है, आज उनके लिए जॉब की कोई कमी भी नहीं हैं। कॉपी राइटिंग, क्रिएटिव राइटिंग, टेक्निकल राइटिंग आदि के क्षेत्र में लिखने में हुनरमंद लोगों की खूब डिमांड है।

■ टेक्निकल राइटर

आजकल टेक्नोलॉजी हमेशा अपडेट होती रहती है इसीलिए टेक्नोलॉजी और इनोवशन के फील्ड से जुडी कंपनियों को अपने प्रोडक्ट और उनके फंक्शन के बारे में कस्टमर को अपटेड करना मुश्किल होता है, लेकिन इस मुश्किल काम को टेक्निकल राइटर सरल शब्दों के माध्यम से बेहद आसान बना देते हैं दरअसल, टेक्निकल राइटर प्रोडक्ट के मैन्युअल, अपेन्डिक्स और कैटलॉग को डेवलप करन का काम करते है।

■ वेब कंटेंट राइटर

प्रिंट की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में लिखना टफ माना जाता है। वेब पेज आकर्षक न हो, तो रीडर उसे पढने की जहमत भी नहीं उठाते हैं। वैसे भी कम्प्यूटर स्क्रीन की तुलना में प्रिंट पेज पर पढना ज्यादा आसान होता है इसलिए, वेब राइटर की लेखनी सरल होनी चाहिए।

■ साइंस राइटिंग

रिसर्च और डेवलपमेंट के कार्यों में तेजी आने से साइंस राइटर की डिमांड तेजी से बढने लगी है खासकर साइंस राइटर साइंटिस्ट और रिसर्चस को उनके रिसर्च पेपर को तैयार करने, साइंस जर्नल के लिए आर्टिकल लिखने, प्रेजेंटेशन, लैब रिपोर्ट आदि को तैयार करने में मदद करते हैं साइंस राइटर बनने के लिए जरूरी है कि आपकी संबंधित विषयों पर अच्छी पकड़ हो साइंस राइटर की सैलरी उनके वर्क एक्सपीरियंस और सब्जेक्ट पर भी निर्भर करती है।

■ होस्ट राइटर

कई बार आपको यह सोचकर आश्चर्य होता होगा कि फेमस पर्सनाल्टी अपनी ऑटोबायोग्राफी को कैसे अच्छी तरह कागजों पर उकेर देते हैं, जबकि इनमें से सभी अच्छे राइटर भी नहीं होते हैं कई लोग ऐसे होते हैं। जिनके पास इतना समय नहीं होता है कि वे पेन लेकर लिखने को बैठे इस तरह के लोग होस्ट राइटर को हायर करते हैं। जो उनके विचारों के आधार पर किताब तैयार करते हैं इसके बदले उन्हें अच्छा अमाउंट पेड किया जाता है।

तलाशें नई संभावनाएं

“ यह जरूरी नहीं कि जो दूसरे पढ़ या कर रहे हैं, वही आप भी पढ़ें या करें। किसी अनजाने या कम जाने-पहचाने वाले फील्ड में खास रुचि है, तो यह सोचकर कदम बढ़ाने से संकोच न करें कि कोई दूसरा तो इसके लिए आगे ही नहीं आ रहा। आज के समय में हर फील्ड में जोरदार संभावनाएं हैं। जरूरत इस बात की है कि आप उसके लिए खुद को कितना तैयार करते हैं। नई संभावनाएं तलाशने के लिए कैसे बढ़ाएं कदम, बता रहे हैं

अरुण श्रीवास्तव...

अंबर शर्मा को बचपन से ही प्राकृतिक दृश्य लुभाते थे। कुछ बड़े होने पर उनके हाथ कैमरा लग गया। फिर क्या था। अंबर तो जैसे अपने नाम को सार्थक करते हुए आकाश में ही उड़ने लगा। जब मौका मिलता, वह पशु-पक्षियों की तलाश में नदी, नालों, झरनों, बाग-बगीचों, जंगलों की ओर निकल पड़ता। उसका यह शौक कब पैशन बन गया, खुद उसे भी नहीं पता चला। इन सबके बिना उसका मन ही नहीं लगता था। उसके कैमरे से निकलने वाले प्राकृतिक दृश्यों सहित पशु-पक्षियों की बोलती तस्वीरों को जो भी देखता, तारीफ किए बिना नहीं रहता। सबसे अच्छी बात यह रही कि पिता सहित परिवार का हर सदस्य उसके इस जुनून में उसके साथ था। यही कारण रहा कि बीएससी पूरा करने के बाद अंबर ने अपने मन के विषय लाइफसाइंस से एमएससी किया। इसके बाद उसने वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को ही अपने पेशे के रूप में चुन लिया। सरकारी या कॉरपोरेट नौकरियों के पीछे भागने की बजाय उसने मध्य प्रदेश के एक नेशनल पार्क में स्थित रिजॉर्ट में नौकरी इसलिए ज्वाइन कर ली, ताकि उसे जंगलों में घूमने का मौका मिल सके। कुछ समय तक नौकरी करने के बाद उसने अपनी कंपनी बना ली। आज भी फोटोग्राफी में उसके प्राण बसते हैं। उसने वाइल्ड लाइफ और पर्वतीय इलाकों पर कई डाक्यूमेंट्रीज भी बनाई हैं, जो पुरस्कृत हो चुकी हैं।

● मन के काम में पहचान

ऊपर की सच्ची कहानी सिर्फ यह बताने के लिए दी गई है कि जिस काम को आप डूबकर कर सकते हैं, उसी से आपकी पहचान बनती है। दूसरों का अनुकरण करके या किसी दबाव में आकर चुने गए रास्ते पर चलने से न तो आपको तसल्ली मिल सकती है और न ही आप उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। ऐसे में आपकी कोई अलग पहचान भी नहीं बन सकती।

● अलग चलने का साहस

जिस रास्ते पर आमतौर पर सभी चल रहे हैं, जाहिर है उस पर चलने का दबाव आप पर भी होता है। आप अपने मन की पुकार सुन कर कुछ अलग करना चाहते हैं, पर उसके बारे में अपने घर वालों, खासकर पिता से बात करने में डरते हैं। लेकिन जरा सोचें। अगर आप साहस करके अपनी बात कहेंगे नहीं, तो वे कैसे समझेंगे? और उनके बिना समझे और उनकी अनुमति लिए बिना तो आप अपने मन की कर नहीं सकेंगे। तो उपाय तो यही है न कि आप हिम्मत करके अपनी बात उनसे साझा करें। उन्हें आश्वस्त करने का प्रयास करें कि आप जो चाहते हैं, उसमें खुद को साबित करके दिखा सकते हैं। बस, एक बार उन्हें अपने मन मुताबिक करने का मौका दे दिया जाए।

● जुनून को जिएं

जरूरी नहीं कि आप डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या आइएएस-पीसीएस बनकर ही कामयाब कहलाएंगे। आपका मन किसी खेल में रमता है या फिर आपको तरह-तरह की डिश बनाने में मजा आता है या फिर आप डांस, म्यूजिक या सिंगिंग में धमाल मचाने का हुनर रखते हैं, तो फिर खुद को साबित करने में पीछे न रहें। घर वालों को कनविंस करके जरूरत के मुताबिक ट्रेनिंग लें, कोर्स करें और अपने पैशन को जीने में जुट जाएं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

विधानसभा में स्व. विद्यारतन भसीन और भानुप्रताप सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सत्र के प्रारंभ में वैशाली नगर (भिलाई) विधानसभा से विधायक रहे स्वर्गीय विद्या रतन भसीन तथा अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय भानु प्रताप सिंह को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित सदन के सदस्यों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व विधायक विद्यारतन भसीन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि स्वर्गीय श्री भसीन सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने दलगत भावना से ऊपर उठकर हमेशा आमजन के कल्याण के लिए कार्य किया। श्री भसीन का जनहित से गहरा सरोकार था। वे लगातार क्षेत्र की समस्याएं और प्रदेश के प्रमुख मुद्दे विधानसभा में उठाते थे। गंभीर बीमारी से ग्रसित होने के बावजूद भी वह बातचीत और व्यवहार में सहज-सरल थे, कठिन से कठिन समय में भी संयत रहा करते थे। श्री भसीन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने कहा कि श्री भसीन बेहद मिलनसार प्रवृत्ति के थे, उनका जाना हम सब के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ राज परिवार के सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय भानुप्रताप सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय भानुप्रताप सिंह स्वर्गीय राजा चक्रधर सिंह के छोटे भाई थे। स्वर्गीय भानुप्रताप सिंह ने कला और संस्कृति को आगे बढ़ाया। जनहित के कार्यों एवं समाजिक क्षेत्रों में उनका योगदान सराहनीय रहा है। चक्रधर समारोह के अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने रायगढ़ में प्रदेश और देश भर के कलाकारों को अपनी कला प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किया। राजनीति, खेल और कला के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए वे जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए भी तत्परता से कार्य करते रहे। भाजपा की ओर से नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, अजय चंद्राकर, कृष्णमूर्ति बांधी, शिवरतन शर्मा और कांग्रेस की ओर से मंत्री मोहन मरकाम ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

रोका-छेका अभियान के साथ हरेली त्यौहार उत्साह पूर्वक मनाया गया

सुकमा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कृषि प्रधान राज्य होने के कारण यहां त्योहारों का विशेष महत्व है। इन त्यौहारों के क्रम मे पहला त्योहार हरेली का है। हरेली का तिहार संस्कृति व परम्परा का त्यौहार है। इस तिहार में किसान भाई अपने कृषि उपकरणो व औजारों की विधिवत पूजा अर्चना कर खुशहाली और अच्छे फसल की कामना करते है। राज्य सरकार के मंशानुरूप कलेक्टर हरिस. एस एवं जिला पंचायत सीईओ डीएन कश्यप के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों के गौठानों व ग्रामों में पशुधन विकास विभाग जिला सुकमा के द्वारा जिले में 6 जुलाई से 31 जुलाई तक रोका-छेका अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान कृषकों के लिए कारगर साबित हो रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के इस प्रथा से किसान न सिर्फ खेती किसानी कार्य शीघ्र सम्पादित कर पाएंगे बल्कि दोहरे फसल का लाभ भी ले सकेंगे। रोका छेका अभियान में विभागीय कर्मचारियों के द्वारा गौठान ग्राम एवं गौठानों मे पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं चरवाहों को खेतों में फसल की चराई को बचाने, पशुओं को खुला ना छोड़कर अपने घरों, बाड़े में बांध कर रखने या गौठान में नियमित रूप से ला कर रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिले के 542 ग्रामों में जल जीवन मिशन तहत 74 हजार 132 घरों में लग चुका है नल कनेक्शन

सूरजपुर। कलेक्टोरेट सभा कक्ष में कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर कार्यपालन अभियंता एवं जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के सदस्य उपस्थित हुये। समीक्षा बैठक में कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के द्वारा कलेक्टर को जल जीवन मिशन योजना अन्तर्गत जिले के 544 ग्रामों में 176383 परिवारों को वर्ष 2024 तक घरेलू नल कनेक्शन निर्धारित लक्ष्य की प्रतिपूर्ति समयावधि में पूर्ण करने के संबंध में अद्यतन की गई। कार्यवाही के संबंध में अवगत कराया गया, कि वर्तमान में 542 ग्रामों की ग्रामों के कार्यादेश जारी किये गये है। जिसके तहत अद्यतन 74132 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष कार्य प्रगतिरत है। तत्संबंध में कलेक्टर एवं अध्यक्ष द्वारा जल जीवन मिशन योजना के महत्वपूर्ण कार्य को मिशन मोड में गुणवत्तायुक्त कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये एवं प्रत्येक अनुबंधकर्ता फर्म से उनको आबंटित उच्चस्तरीय टंकी की समीक्षा की गयी। वर्षा प्रारंभ होने के पूर्व 31 जुलाई तक अनिवार्यत: टंकी निर्माण का कार्य ग्राउण्ड लेवल तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।

केंद्रीय कृषि मंत्री के आतिथ्य में हुआ आईसीएआर के 95वें स्थाआपना दिवस समारोह का समापन

कृषि-खाद्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के समाधान में वैज्ञानिकों की महती जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 95वें स्था,पना दिवस समारोह का समापन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। यहां श्री तोमर ने कहा कि कृषि व खाद्य सुरक्षा के संबंध में वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों के समाधान में आईसीएआर के वैज्ञानिकों की महती जिम्मेदारी है, इनमें वे सफल हों। साथ ही वैज्ञानिकों का अनुसंधान आमजन के ध्यान में भी आएं, वे और प्रशंसा के पात्र बनें, इस दृष्टि से स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने की सार्थकता है।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि हमारे कृषि प्रधान देश में किसानों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों के अनुसंधान व केंद्र एवं राज्यों की किसान हितैषी नीतियों के कारण हमारा देश आज खाद्यान्न अतिशेष बन चुका है तथा अधिकांश कृषि उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में नंबर एक या दो पर है। श्री तोमर ने कहा कि हमारे वैज्ञानिकों का दूरगामी दृष्टिकोण भारत को हर विधा में नंबर एक पर पहुंचाने का है और इस दिशा में आईसीएआर के संस्थानों से लेकर देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों तक, सभी वैज्ञानिक प्रयत्नशील है। कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की चुनौती हम सब लोगों के सामने है, सारी दुनिया इससे जूझ रही है। जलवायु परिवर्तन के दौर में जिन बीजों की जरूरत है तथा खाद्यान्न-बागवानी, पशुपालन, मत्स्यपालन क्षेत्र में भी दूरगामी सोच व आपूर्ति की अपेक्षा के अनुरूप हमारे वैज्ञानिक काम कर रहे हैं, उनकी सफलता का विश्वास है।

श्री तोमर ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित 17 समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। साथ ही, आईसीएआर एवं वैज्ञानिकों को परामर्शदाता के रूप में आगे आने के लिए भागीदारों द्वारा रूचि की अभिव्यक्ति भी की गई है।

आईसीएआर ने 16 जुलाई 2023 को 95वां स्थापना दिवस मनाया। पहली बार स्थापना दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया गया। परिषद द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के बारे में लोगों को बताने व जागरूक करने हेतु प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें किसानों, कृषि-उद्योग से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। प्रदर्शनी का केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने अवलोकन किया। इसमें दिल्ली के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया व वैज्ञानिकों से संवाद किया। इस तरह के प्रयासों से छात्र-छात्राओं को कृषि विज्ञान के क्षेत्र से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

आईसीएआर के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक ने बताया कि आयोजन के दौरान कृषि नवाचारों को बढ़ावा देने व व्यावसायीकरण हेतु वैज्ञानिक-उद्योग इंटरफेस बैठकें भी साइड इवेंट में आयोजित की गई। कार्यक्रम में किसान, स्टार्टअप प्रतिनिधि, आईसीएआर-कर्मी भी मौजूद थे।

मुनगा एवं पपीता के पौधे का रोपण कराना सुनिश्चित करें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद जिला प्रशासन द्वारा जिले को एनिमिया एवं कुपोषण मुक्त बनाने हेतु 'हरित बालोद सुपोषित बालोद' अभियान की शुरूआत की जा रही है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने 'हरित बालोद सुपोषित बालोद' अभियान के अंतर्गत जिले के सभी एनिमिक गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा कुपोषित बच्चों के घरों में 03 मुनगा एवं 02 पपीता सहित कुल 05 पौधों का रोपण कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री शर्मा ने जिले को कुपोषण मुक्त बनाने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को मिशनमोड पर कार्य करते हुए इस कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर शर्मा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित सप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने इस अभियान को सफल बनाने हेतु की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। समय-सीमा की बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर इसके लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक एवं वन विभाग के अधिकारियों को इसके लिए पर्याप्त मात्रा में मुनगा एवं पपीते के पौधों की व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा। जिला कार्यक्रम अधिकारी से जिले के कुल एनिमिक माताओं एवं कुपोषित बच्चों के संख्या के संबंध में जानकारी लेते हुए इसे दूर करने हेतु कारगर उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के वजन जाँच हेतु 01 से 13 अगस्त तक आयोजित की जाने वाली वजन त्यौहार को सफल बनाने हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को पूरी तरह से मुस्तैद रखकर मौसमी बीमारी की रोकथाम हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने अधिकारियों से मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों द्वारा हरेली पर्व को उत्साह पूर्वक मनाया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा । बेमेतरा जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों द्वारा हरेली पर्व को उत्साह पूर्वक मनाया। हरेली पर्व छत्तीसगढ़ का प्रमुख पर्व है। यह पर्व सभी लोगों को उत्साहपूर्वक मनाने का एक मौका होता है, खासकर बच्चों के लिए यह एक आनंदमय और रंगीन अनुभव होता है।

जिले के आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र तेन्दुभाठा में हरेली पर्व के दौरान, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों ने खेल-खिलौने, गीत और नृत्य के साथ खुशियों का उत्सव मनाया।उन्होंने रंग-बिरंगे कपड़ों में और एक साथ नाचते, गाते हुए अपने साथी बच्चों के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेल खेला। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ और मिठाईयां खाई गईं और उत्साहपूर्वक बांटी गई। छत्तीसगढ़ में हरेली पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे बच्चों ने धूमधाम के साथ मनाया। इस उत्सव के दौरान बच्चों को गांव की संघटनाओं, लोक गीतों नृत्य के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का अवसर मिलता है। आंगनबाड़ी केंद्रों में हरेली पर्व का आयोजन बच्चों के लिए एक मनोरंजक और शिक्षाप्रद अनुभव होता है जहां वे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में सीखते हैं और उन्हें बढ़ावा देने का अवसर प्राप्त करते हैं। इसके साथ ही यह उत्सव बच्चों के बीच टीमवर्क, सहयोग, साझा बातचीत और नेतृत्व कौशल को भी विकसित करता है।

केज कल्चर से बढ़ा मछली का उत्पादन मछुआ समूहों की आमदनी भी बढ़ी

मुख्यमंत्री की घोषणा पर हुआ अमल, मछुआ समूहों को दिया गया केज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। मत्स्य पालन से जुड़े मछुआरों के जीवन में अब परिवर्तन आने लगा है। पारंपरिक तरीकों से मत्स्य पालन करने वाले मछुआरों को आधुनिक पद्धति से मछली पालन करने सामग्री उपलब्ध कराने पर न सिर्फ मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है, अपितु उनकी आमदनी में भी इजाफा हुआ है।

बांगों सिंचाई जलाशय अंतर्गत डूबान क्षेत्र के विस्थापित मछुआ सहकारी समिति के सदस्यों को कुछ साल पहले तक मत्स्य पालन में आमदनी के लिए खूब मेहनत करनी पड़ती थी। इसके बावजूद उन्हें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जब इस क्षेत्र के ग्राम-सतरेंगा, आए तो उन्होंने मत्स्यिकी समूहों की आवश्यकताओं को समझा और मछुआ समूहों को 1000 नग केज उपलब्ध कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के घोषणा उपरांत जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा एवं विभागीय सहयोग से बांगो सिंचाई जलाशय के ग्राम-सतरेंगा में 100 नग, ग्राम-गढ़उपरोड़ा में 100 नग तथा निउमकछार में 800 नग केज स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया तथा बांगो सिंचाई जलाशय के आस-पास के विस्थापित मछुआ सहकारी समिति के 200 सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मत्स्य पालन के व्यवसाय से जोड़ा गया। परिणामस्वरूप मछुआ समूहों की आमदनी पहले की अपेक्षा बहुत बढ़ गई है और वे आत्मनिर्भर की राह में आगे बढ़ रहे हैं।

मत्स्य विभाग द्वारा बताया गया कि 200 हितग्राहियों में प्रत्येक हितग्राही को 5-5 नग केज आबंटित है, प्रत्येक केज में 5000 नग तिलापिया मोनोसेक्स/पंगेशियस मत्स्य बीज संचित कर मत्स्य उत्पादन किया जा रहा है तथा प्रत्येक केज से लगभग 2000 कि.ग्रा. मत्स्य उत्पादन प्राप्त किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में प्रत्येक हितग्राही को आबंटित केज से राशि रू. 87,000 की आय प्राप्त हुई। केज कल्चर से हितग्राहियों के आर्थिक स्थिति में क्रमंश: सुधार हो रहा है हितग्राही कृषि के साथ मत्स्य पालन का व्यवसाय कर आत्मनिर्भर हो रहे हैं एवं उन्हें प्रोटीन युक्त आहार की प्राप्ति हो रही है। उनके आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। प्राप्त आय को हितग्राहियों द्वारा मकान की मरम्मत का कार्य, बच्चों के अध्ययन में तथा दैनिक उपयोग की सामग्री क्रय करने में व्यय किया जा रहा है। योजना से 200 सदस्य एवं 800 पारिवारिक सदस्य लाभान्वित हो रहे हैं।

रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के लिए सर्टिफिकेशन कार्यक्रम शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग मास्टर ट्रेनर्स प्रदेश के अधिकारियों को दे रहे हैं प्रशिक्षणवरिष्ठ अधिकारी और नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स प्रदेश के अधिकारियों को दे रहे हैं प्रशिक्षण भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश के रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के लिए सर्टिफिकेशन कार्यक्रम की आज शुरूआत हुई।

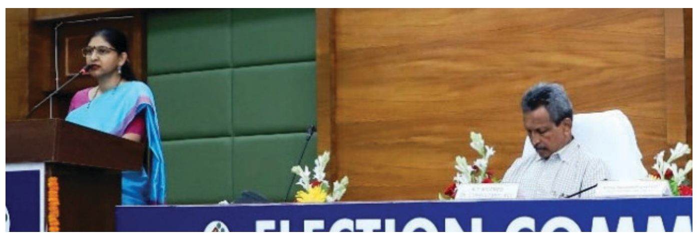

छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले, भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सलाहकार के.एल. विलफ्रेड और छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी के संचालक टी.सी. महावर की मौजूदगी में आज छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्टिफिकेशन कार्यक्रम के तहत भारत निर्वाचन आयोग के नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स 18 जुलाई से 21 जुलाई तक सभी जिलों के रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों और राज्य में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को विधानसभा आम निर्वाचन की बारीकियों की जानकारी देंगे। नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स उन्हें निर्वाचन की विभिन्न प्रक्रियाओं, कानूनों और गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षित करेंगे। सर्टिफिकेशन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा कि राज्य में पारदर्शी, विवादरहित, त्रुटिरहित और समावेशी निर्वाचन सुनिश्चित करने के लिए सभी रिटर्निंग अधिकारियों और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के लिए चार दिनों का यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागी भारत निर्वाचन आयोग के नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स से चर्चा कर आम निर्वाचन और अपने दायित्वों से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान कर सकते हैं।

नाम परिवर्तन

मैं अबजद खान आ. मोहम्मद शमीम खान निवासी 133 /के. अशरफी रोड फरीद नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) मैने अपना नाम परिवर्तित कर लिया है मेरा नया नाम एम डी अबजद खान पिता मोहम्मद शमीम खान है।

अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरा नया नाम एम डी अबजद खान से जाना व पहचाना व पुकारा जावे। मेरा जन्म स्थान भिलाई जिला दुर्ग छ.ग. है।

एम डी अबजद खान
133/ के. अशरफी रोड फरीद नगर, सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

मतदाता जान रहे ईवीएम मशीन से वोटिंग के तरीके

रायपुर। कलेक्टोरेट परिसर में अुनविभागीय अधिकारी/रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय और जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय (स्टोर) में ईवीएम प्रदर्शनी केन्द्र का आयोजन किया गया। इसमें ईवीएम मशीन प्रदर्शित कर मतदाताओं को इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी जा रही है। स्वीप कार्यक्रम के तहत यह आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन में आए नागरिकों को ईवीएम वीवीपैट से मतदान करने की प्रक्रिया और मशीन के संबंध में जानकारी दी गई। लोगों ने ईवीएम मतदान करने की प्रक्रिया में जानी और अपनी समस्या का समाधान भी किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ से प्राप्त निर्देशों के अनुसार आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु ईवीएम मशीनों का प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत रायपुर जिले के लिए नियुक्त 07 रिटर्निंग ऑफिसरों को विधानसभावार कुल 43 नग ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन मतदाता जागरूकता हेतु प्रदर्शनी लगाए जाने हेतु प्रदाय की गई है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

स्पाइडरमैन की तरह छतों से कूदकर करता अमीर घरों में चोरी, शातिर चोर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना क्षेत्र में चोरी के दो मामलों में पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। शातिर चोर स्पाइडरमैन की तरह घरों की छतों से मकान में एंट्री करता और चोरी के बाद तेजी से कूदते फांदते भाग निकलता। मोहन नगर थाने में दर्ज हुई शिकायतों के बाद पुलिस ने जांच की तो सीसी टीवी फुटेज से संदिग्ध की पहचान हुई। एसीसीयू व मोहन नगर थाने की संयुक्त टीम ने चोर को पकड़ने में सफलता पाई। चोर के पास से कुल पांच लाख रुपए का मशरुका बरामद किया गया।

दोनों मामलों का खुलासा करते हुए एएसपी संजय ध्रुव ने बताया कि लगातार हो रही चोरियों के बाद पुलिस संयुक्त टीम बनाकर इनकी पतासाजी शुरू की गई। इस दौरान आदतन अपराधियों जेल से रिहा हुए बदमाशों से भी पूछताछ की गई। मोहन नगर क्षेत्र में जहां चोरी की घटना घटी वहां सीसी टीवी फुटेज से संदिग्ध की पहचान की गई। सोशल मीडिया की मदद से पुलिस न्यू दीपक नगर निवासी मनीष यादव उर्फ सागर को हिरासत में लिया गया। पुलिस की पूछताछ में सागर ने सारी सच्चाई उगल दी।

40 हजार नगदी सहित 5 लाख का मशरुका जब्त

आरोपी ने बताया कि उसने आर्य नगर एवं दीपक नगर के मकानों में चोरी की थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने 40 हजार रुपए नगदी के अलावा सोने की चेन, मंगलसूत्र, मोबाइल, आईपैड सहित अन्य सामासन बरामद किया है।

एएसपी ध्रुव ने दिलाई एसपी पल्लव की याद

चोर को गिरफ्तार करने के बाद जब पुलिस कंट्रोल रूम में पीसी ली जा रही थी तो एएसपी संजय ध्रुव ने दुर्ग के एसपी रहे डॉ अभिषेक पल्लव के अंदाज में आरोपी से पूछताछ कर उनकी याद दिला दी। इस पूरी कार्रवाई में एंटी क्राईम एंड सायबर यूनिट से एएसआई राजेश पाण्डेय, पूर्ण बहादुर कार्की, प्रधान आरक्षक शिव तिवारी, कपिल यादव, चंद्रशेखर बंजीर, आरक्षक प्रदीप सिंह, जगजीत सिंह, खुर्रम बक्स, तिलेश्वर राठौर, चित्रसेन साहू, शोभित सिन्हा, नरेन्द्र सहारे, शौकत हयात, सनत भारती, केशव साहू, धीरेन्द्र यादव, बालमुकुंद साहू, शाहबाज खान, उपेन्द्र यादव, जुगनु सिंह, शिव मिश्रा, विक्रान्त कुमार, थाना मोहन नगर से प्रधान आरक्षक मोनिका गुप्ता, उत्तम सोनी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

खास-खबर

काम पर जाने की बात कहकर निकला युवक, कुछ घंटे बाद घर में ही फांसी से लटका मिला शव

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में एक युवक ने सोमवार देर रात फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसका शव घर में लगी रॉड से फंदे से लटका हुआ मिला है। युवक घर से किसी काम के लिए जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद उसका शव मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की खुदकुशी का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

पुलिस ने बताया कि बिरगहनी गांव निवासी धनंजय साहू (26) पीआईएल प्राइवेट लिमिटेड में मजदूरी करता था। उसने घर की छत से निकले रॉड में सोमवार रात करीब 8.45 बजे गमछे से फंद्दा बनाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने पुलिस को बताया कि, खाना खाने के बाद धनंजय काम के लिए जाने की बात कहकर घर से निकला था। फिर पता ही नहीं चला कि कब घर लौटा और खुदकुशी कर ली।

गांजा तस्कर को 11 साल का कारावास, एक लाख रुपये लगा अर्थदंड

कबीरधाम। जिला कोर्ट ने गांजा तस्करी के मामले में बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने आरोपी गांजा तस्कर को दोषी करार देते हुए 11 साल के कठोर कारावास की सजा व एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है।

चिल्फी थाना पुलिस ने थाना तुशुरा जिला बलांगिर(ओडिशा) के रहने वाले नवीन मांझी को दो फरवरी 2020 को गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक कार और 40.980 किलो बरामद किया था। आरोपी ने लग्जरी कार की सीट के पीछे अलग से पेटीनुमा डिग्गी बनाकर 40 पैकेट गांजे रखा था, ताकि किसी की भनक न लग सके। वहीं, जब पुलिस ने कार की सही ढंग से तलाश ली तो कार से 40.980 किलो गांजा बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने स्वापक औषधियां और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जेल में बंद आरोपी को जमानत का भी लाभ नहीं मिल सका। 17 जुलाई को कोर्ट ने आरोपी को सजा सुनाई है। करीब साढ़े तीन साल तक चली सुनवाई बाद यह फैसला आया है।

वंदेभारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी

पकड़े गए 7 नाबालिग आरोपी सायरन सुनने किया था पथराव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर से नागपुर के बीच जब से वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू हुई है तब से इस पर पथराव की घटनाएं भी बढ़ गई है। वंदेभारत एक्सप्रेस पर पथराव आम बात हो गई है। इसबीच 14 जुलाई को तिल्दा रेलवे स्टेशन पार करने के बाद वंदेभारत एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। इससे वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच नंबर ष्ट3 के 50,51, 52 सीट नंबर के बगल वाले कांच की खिड़की क्षतिग्रस्त हुई थी। अब इस मामले में आरपीएफ ने 7 नाबालिगों को गिरफ्तार कर किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया है।

बता दें 14 जुलाई को गाड़ी संख्या 20826 नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में तिल्दा स्टेशन के बाद पत्थर फेंकने की घटना हुई थी। इससे वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच नंबर सी 3 के 50, 51, 52 सीट नंबर के बगल वाले कांच की खिड़की क्षतिग्रस्त हुई थी। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भाटापारा में धारा 153 रेल अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया। पथराव करने वालों की तलाश के दौरान आरपीएफ को सीसी टीवी फुटेज व मुखबिर से कुछ नाबालिगों का इनपुट मिला।

इसके बाद आरपीएफ की टीम मंगलवार को तिल्दा बस्ती से 7 नाबालिकों को हिरासत में लिया। पूछताछ करने पर नाबालिगों ने पथराव करने की बात मानी। नाबालिग बच्चों ने बताया कि 14 जुलाई को वे गुलेल बाजी कर रहे थे। इस दौरान पता चला कि वंदे भारत एक्सप्रेस आ रही है। नाबालिगों ने सुन रखा था कि वंदेभारत एक्सप्रेस पर पत्थर मारने से सायरन बजता है। सायरन सुनने के लिए बच्चों ने पथराव कर दिया। नाबालिगों का बयान लेने बाद आरपीएफने सभी को किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया।

ट्रेलर की चपेट में आने से मिस्त्री की दर्दनाक मौत, खदान में लगा लंबा जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में लगातार हादसों का दौर जारी है। एक के बाद एक सड़क हादसे में लोगों की जान जा रही है। एक बार फिर से दीपका खदान में ट्रेलर के पहिए के नीचे आ जाने से एक मिस्त्री की मौत हो गई। एसईसीएल दीपका माइंस में 25 नंबर कांटा के पास एक ट्रेलर में खराबी आ गई। जिसके बाद ट्रेलर के चालक ने कंपनी के सुपरवाइजर को घटनाक्रम की जानकारी दी।

इसके बाद मिस्त्री को बुलाया। मिस्त्री ट्रेलर वाहन के पहिए के नीचे वाहन को बना ही रहा था कि तभी पीछे से एक ट्रेलर ने टक्कर मार दी। इसके बाद मिस्त्री की पहिए के नीचे आ जाने से मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और खदान में वाहनों की लंबी कतार लग गई। घटना की जानकारी दीपका थाना पुलिस को दी गई। जहां दीपका थाना प्रभारी तेज यादव स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना कर दिया गया और खदान में लगी वाहनों की लंबी कतार को हटाया गया। दीपका थाना प्रभारी तेज यादव ने बताया कि मृतक 32 वर्षीय जयपाल कंवर हिन्द पावर कंपनी में मिस्त्री का काम करता था और हरदी बाजार बम्हनीकोना का रहने वाला था। घटनाक्रम की जानकारी कंपनी और मृतक के परिजनों को दी गई। फिलहाल, घटना कब और कैसे किन परिस्थितियों में हुई है। इसकी जांच पुलिस कर रही है।

अल्ट्राटेक फैक्ट्री में सिलेण्डर ब्लास्ट, तीन मजदूरों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां के सुहेला थाना क्षेत्र के हिरमी स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेण्डर ब्लास्ट हो गया। सिलेण्डर ब्लास्ट से तीन मजदूरों की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर बाद लगभग 3.30 बजे के आसपास की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। आनन फानन में पुलिस भी मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार जिस समय हादसा हुआ फैक्ट्री में काफी संख्या में मजदूर मौजूद थे। काम के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर में धमाका हुआ। बताया जा रहा है कि धमका इतना तेज था कि तीन मजदूरों के चिथड़े उड़ गए। हादसे में कई मजदूर भी घायल हो गए। जिन मजदूरों की मौत हुई वे फैक्ट्री के आसपास के ही बताए जा रहे हैं। सिलेण्डर कैसे ब्लास्ट हुआ इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

छ.ग.गृह निर्माण मण्डल,वृत्त-दुर्ग
प्रथम निविदा आमंत्रण विज्ञापन क्र.167
छ.ग.गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-दुर्ग अंतर्गत जिला पंचायत संसाधन केन्द्र भवन परिसर में प्राचार्य हेतु आवास (एफ टाईप) निर्माण कार्य रू. 20.59 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित है।विवरण वेबसाईटwww.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता के मो. नं. 94242-84256 पर सम्पर्क करें।
S-37765/2
उपायुक्त

स्कूटी सवार महिला-पुरुष को स्कूल बस ने मारी ठोकर, पुलिस हिरासत में बस चालक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बुधवार सुबह एक गंभीर सड़क हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार एक स्कूल बस ने स्कूटी सवार महिला-पुरुष को अपने चपेट में लिया। हादसे में महिला-पुरुष को गंभीर चोट आई है। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घायल महिला दुर्पत धुर्व और विपुल केशरवानी को उपचार के लिए पुलिस एम्स ले गई है। वहीं हादसे में स्कूटी वाहन बस के पहिए के नीचे आ गई और 20-25 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। तात्या पारा चौक से आजाद चौक थाने तक बस चालक स्कूटी वाहन को घसीटते हुए ले गया। ये स्कूल बस रेयान इंटरनेशनल स्कूल की बस है।

बताया जा रहा कि इस हादसे के समय स्कूल बस में कोई भी बच्चा नहीं था। स्कूल बस खाली थी। और बस को रॉन्ग साइड में थाने के सामने खड़ी कर रखी थी और अचानक से से बस को चलाने से स्कूटी सवार इसकी चपेट में आ गए। आरोपित बस चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। ये पूरा मामला आजाद चौक थाना क्षेत्र का है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता, शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)
निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 03.08.2023 17:30 तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम निविदा क्र. निविदा सूचना क्र./ दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
सिस्टम निविदा क्र. 141522/निविदा सूचना क्र.24/वलेलि/2023-24, दुर्ग, दिनांक 13.07.2023	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की सिकोला व्यपवर्तन योजना का सुदृढ़ीकरण कार्य.	43.14 लाख
सिस्टम निविदा क्र. 141523/निविदा सूचना क्र. 25/वलेलि/2023-24, दुर्ग, दिनांक 13.07.2023	दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन की गुजरा व्यपवर्तन योजना का सुदृढ़ीकरण कार्य.	86.79 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 20.07.2023 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है.
नोटः निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है.
कार्यपालन अभियंता
तांदुला जल संसाधन संभाग, दुर्ग (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)
जी-03352/4

कांकेर में जवान के ऊपर पेड़ गिरा, गंभीर रूप से घायल, मचान पर चढ़कर कर था ड्यूटी

■ कांकेर ताड़ोकी थाना क्षेत्र कोसरोंडा कैंप की घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भारी बारिश के कारण जंगल में तैनात जवान पर भारी पेड़ गिर गया। हादसे में जवान गंभीर रूप से घायल हो गया है। जवान को पहले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद उसे रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि जवान यहां पेड़ के मचान पर चढ़कर ड्यूटी कर रहा था इस दौरान यह हादसा हो गया। घटना कांकेर ताड़ोकी थाना क्षेत्र कोसरोंडा कैंप की है।

मिली जानकारी के अनुसार कोसरोंडा कैंप में पदस्थ एसएसबी 33 बटालियन के आरक्षक संतोष कुमार मोर्चे पर तैनात थे और मचान पर चढ़कर ड्यूटी कर रहे थे। अचानक इसी दौरान एक विशालकाय पेड़ उसके ऊपर गिर गया। जिससे वह घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से भारी बारिश हो रही है जिसके कारण जमीन धंसने लगी। पेड़ का निचला भाग भी बारिश के कारण काफी धंस चुका था और इसी वजह से वह गिर पड़ा। मचान पर चढ़े होने के कारण जवान को बचने का भी मौका नहीं मिला। फिलहान जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है।

कार्यालय- सेनानी, 21वीं वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट, जिला बालोद, (छ.ग.)
क्रं.-21वीं वाहिनी/छसबल/करकाभाट/सा.अ./निविदा-01/M/1273-A/23 दिनांक- 14/07/23
:: मैनुवल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना ::
सेनानी, 21वी वाहिनी (भा.र.) छसबल मुख्यालय करकाभाट, जिला-बालोद (छ0ग0) में पीसीएण्डआर मद के अन्तर्गत निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए सेनानी, 21वी वाहिनी की ओर से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से 02 लिफाफा पद्धति में (लिफाफा 'अ' में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा 'ब' में फाइंनेसियल बीड) निर्माण कार्य बावत् मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद लिफाफा के ऊपर निविदा सूचना कमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता का लेख किया जाना आवश्यक है।

क.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि (लाख रूपये में)	सुरक्षा निधि
01	मोर्चा विथ गार्ड रूम निर्माण कार्य	05.60 लाख	16,800/-
02	150 मीटर पक्की नाली निर्माण कार्य	07.71 लाख	23,130/-

01. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि- दि. 18.07.23 दि. 06.08.23 के 10.00 बजे से कार्यलयीन समय 17.00 बजे तक
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि- 07.08.2023 के शाम 03.00 बजे तक
03. निविदा खोलने की तिथि- 07.08.2023 समय शाम 04.00 बजे सभी निविदाकारो की उपस्थिति में खोला जावेगा।
नोटः-
निविदा प्राप्त करने हेतु राशि-750/-(रूपये सात सौ पचास मात्र) का चालान 21वीं वाहिनी (भा.र.) छसबल करकाभाट-बालोद के नाम से लेखा शीर्ष "0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट" के नाम से स्वीकार्य होगा। निविदा की अन्य जानकारी एवं शर्तें कार्यालय से प्राप्त निविदा फार्म में उपलब्ध करा दी जावेगी।
सेनानी, 21वीं वाहिनी (भा.र.) छसबल
करकाभाट, जिला बालोद
जी-03407/3

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No. :- 07749-222370, Email Id :- ee-res.balod@gov.in
संक्षिप्त निविदा सूचना द्वितीय बार
क्रमांक/ 24 /व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 बालोद, दिनांक 14.07.2023
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में "डी"-वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-"अ" पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने निविदा दिनांक 25.07.2023 तक आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 26.07.2023 को समय 11.30 बजे खोली जावेगी ।
(कार्य को पूर्ण करने की निर्धारित अवधि 04 माह)

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा की राशि लाख में
अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण कार्य विकासखण्ड बालोद		
1	ग्रुप क्रमांक 01 में 04 कार्यो हेतु	15.19
2	ग्रुप क्रमांक 03 में 07 कार्यो हेतु	18.21
3	ग्रुप क्रमांक 06 में 07 कार्यो हेतु	19.75
4	ग्रुप क्रमांक 07 में 08 कार्यो हेतु	19.07
5	ग्रुप क्रमांक 10 में 06 कार्यो हेतु	19.22
अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण कार्य विकासखण्ड डौण्डी		
1	ग्रुप क्रमांक 11 में 06 कार्यो हेतु	14.97
शासकीय प्राथमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य विकासखण्ड डौण्डी		
1	ग्राम जाबुडवाही	10.98
2	ग्राम पेण्डरी	10.98
3	ग्राम हितकसा	10.98
4	ग्राम रजोलीडीह	10.98
5	ग्राम मरदेल	10.98
6	ग्राम वनपण्डेल धोबनी "ब"	10.98
7	ग्राम-बेलोदा माध्य.शाला	10.98

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी वेब पोर्टल https://res.cg.gov.in में दिनांक 21.06.2023 से देखी जा सकती है ।
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)
जी-03373/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

पावस काव्य संध्या 23 जुलाई को

भिलाई। साहित्य सृजन परिषद भिलाई द्वारा अपनी गौरवमयी परंपरा के अनुरूप 23 जुलाई रविवार को अपराह्न 3.30 बजे से पावस काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा उपस्थित रहेंगे। फेडरेशन भवन क्वा.7 बी. सड़क - 8, सेक्टर - 4 , भिलाई नगर में होने वाली इस काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्य सृजन परिषद के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कवि एन.एल.मौर्य 'प्रीतम' करेंगे। बौद्ध साहित्य विद रवीन्द्र गाड़गे एवं कवयित्री श्रीमती प्रीति सरू ' गुन गुन ' विशिष्ट अतिथि होंगे। समिति के उपाध्यक्ष राम बरन कोरी ' कशिश ' स्वागत भाषण देंगे। उपाध्यक्ष नीता कम्बोज ' शीरी ' का संचालन और उपाध्यक्षा नीलम जायसवाल का आभार ज्ञापन होगा। क्षेत्र के जाने-माने और अपनी - अपनी साहित्यिक शैली में माहिर कवि गण इस काव्य सन्ध्या में रोचक काव्य पाठ करेंगे। परिषद् अध्यक्ष ' प्रीतम ' ने साहित्य रसिकों से इस काव्य गोष्ठी में गरिमामय उपस्थिति का अनुरोध किया है।

मैनपाट में देश भर के घुमक्कड़ बात करेंगे छत्तीसगढ़ के पर्यटन पर

भिलाई। सोशल मीडिया पर ' 'घुमक्कड़ी दिल से' ' नाम से अस्तित्व रखने वाले देश भर के पर्यटन पसंद लोगों का समूह आगामी 22 एवं 23 जुलाई को प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में इकट्ठा हो रहा है। 75 हजार से अधिक लोगों की सदस्य संख्या वाले इस समूह का स्नेह सम्मेलन मैनपाट में होगा। यह ग्रुप ट्रस्ट के रूप में भारत सरकार से रजिस्टर्ड भी है।भिलाई स्टील प्लांट के कर्मी और पर्यावरण प्रेमी ईश्वर पटेल एवं रेलवे कर्मी व शौकिया फोटोग्राफर अनूप नायक ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देना तथा प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता को दुनिया के सामने लाना है। ' 'घुमक्कड़ी दिल से' ' के इस पहले राज्यस्तरीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ सहित देश के कई अन्य प्रमुख शहरों से आए अनेकों घुमक्कड़ों के शामिल होने की संभावना है।

उपअभियंता भीमराव के निधन पर दी श्रद्धांजलि

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग में पदस्थ युवा अभियंता भीमराव 29 वर्ष,रायपुर के एक निजी अस्पताल में असाध्य रोग से इलाज के दौरान निधन हो गया। वे अमृत मिशन का कार्य देख रहे थे।आज नगर निगम कार्यालय पोर्च में युवा उपअभियंता स्वर्गीय श्री भीमराव के आत्मा की शांति के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सभापति राजेश यादव,एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,संजय कोहले,भोला महोविया,मनदीप सिंह भाटिया,राजकुमार नारायणी, दिनेश देवांगन,उपायुक्त मोहेंद्र साहू,कार्यपालन अभियंता आरके पांडेय,दिनेश कुमार नेताम,आरके पालिया,जितेंद्र समैया,वीपी मिश्रा,गिरीश दीवान,राजकमल बोरकर,दुर्गेश गुप्ता,जावेद अली,अनिल सिंह,शुभम गोइर,संजय मिश्रा,थानसिंग यादव,हेमलता वर्मा,तारा पाटिल,रेखा कुर्रे,अभ्युद मिश्रा के अलावा नगर निगम के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर दी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा घर पहुँचकर परिवार वालों से मिलकर अपनी सांत्वना व्यक्त की थी। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि युवा इंजीनियर के निधन की खबर मिलने पर मैं मर्माहत हूं।

महिला समूह ने बनाई गोबर से राखियां,विधायक,महापौर व आयुक्त ने सराहना की

मुंबई, चित्तौरगढ़ के अलावा अन्य नगरों में बिकेगी दुर्ग गौठान में बनी गोबर की राखी, ऑनलाइन डिमांड शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पुलगांव गोकुल नगर स्थित गौठान मे कल्याणम महिला स्व सहायता समूह गौठान राधे गौधाम में गोबर से राखी बनाने का कार्य किया जा रहा है,विधायक अरुण वोरा,महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर,सभापति राजेश यादव ने समूह की महिलाओं द्वारा बनाये गए उत्पादों की तारीफकी और उन्हें शुभकामनाएं दी।समूह की महिलाओ ने बताया कि इस बार मांग अधिक है। मुम्बई और चितौरगढ़ के अलावा अन्य नगरों के व्यापारियों की ओर से अबतक 18000 हज़ार से अधिक की राखियों के ऑर्डर मिल चुके हैं।

रक्षाबंधन पर भाइयों की कलाइयों पर गोबर से बनी राखी (एक प्रकार की गोबर) से बनीं राखियां सजेंगी।रंग-बिरंगी और विभिन्न आकार की राखियों के आर्डर मिल रहे है। दुर्ग के पुलगांव स्थित गौठान मे कल्याणम महिला स्व सहायता समूह पुलगांव गौठान राधे गौधाम मे बन रही है राखी,समूह द्वारा गोबर से बनी आकर्षक राखी बनाया जा रहा है, पुलगांव स्थित शहरी गौठान अभी 450 गौवंशो के साथ संचालित हो रही है एवं महिला समूह द्वारा वर्मी कम्पोस्ट,मत्स्य पालन,मुर्गी पालन एवं गोबर से निर्मित उत्पादों पर कार्य किया जा रहा है एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप एक आत्मनिर्भर गौठान बन चुका है।गौठान मे बनी राखी का ऑर्डर अभी चित्तौरगढ़ एवं मुंबई से आ चुका है एवं अभी अन्य जगहों से भी ऑर्डर आने वाले है। गोबर से बनी राखी मे समूह द्वारा यह संदेश भी दिया जा रहा है की रक्षा सूत्र के तहत गौवंशो की रक्षा का संकल्प हर आम जनता को लेना चाहिए एवं इस रक्षाबंधन प्रत्येक बहन अपने भाइयो को हमारे गौठान मे निर्मित राखी पहना कर अप्रत्यक्ष गौसेवा मे अपनी भागीदारी दें।

लोग गायों का सम्मान करते हैं,इसलिए गाय के गोबर और औषधीय बीजों से राखी बनाई जा रही है. गोबर को धूप में अच्छी तरह सुखाया जाता है, जिससे गोबर की गंध 95 प्रतिशत तक दूर हो जाती है. इसके बाद गाय के घी, हल्दी, सफेद मिट्टी और चंदन के साथ सूखे गोबर का बारीक चूर्ण मिलाया जाता है जिसे अन्य जैविक उत्पादों के साथ आटे की तरह गूंथकर रंगीन राखियां बनाई जाती हैं. पिछली सतह पर, जिसे कलाई पर बांधने के लिए प्रयोग किया जाता है.पूरी प्रक्रिया में किसी भी रासायनिक वस्तु का उपयोग नहीं किया जाता है,समूह के मुताबिक,इस साल गाय के गोबर से बनी राखियां न सिर्फ भारत में,बल्कि देश विदेशों में भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी. इन राखियों को सनराइज ऑर्गेनिक में देसी गाय के गोबर से बनाया गया है। श्री राधे गौधाम परिसर का पार्क, जहां से हमारी महिला इकाई ने रक्षा बंधन पर गाय के गोबर और बीजों से बनी हर्बल राखियों का निर्यात करने का फैसला किया है. ये राखियां प्रवासी भारतीयों के लिए भाई और बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक होंगी.गोबर की राखियों से होने वाली आय का क्या होगा उन्होंने बताया कि गोबर की राखियों से होने वाली आय का उपयोग गाय की रक्षा के सार्थक प्रयासों में किया जाएगा.साथ ही, समूह की महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपनी आजीविका कमाकर आत्मनिर्भर बन जाएंगी. इसके अलावा,लोग चीनी राखियों के साथ-साथ पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली राखियों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होंगे. इसके अलावा, कलाई पर गाय के गोबर से बनी राखी बांधने से विकिरण से भी सुरक्षा मिलेगी.राखी में तुलसी,अश्वगंधा, कालमेघ के बीज भी समूह ने कहा कि ज्यादातर लोग राखी को थोड़ी देर बाद उतार देते हैं और रक्षा बंधन के बाद फेंक देते हैं. भाई-बहन के प्यार की प्रतीक राखी कुछ दिनों बाद कूड़े के ढेर में पहुंच जाती है। इसे देखते हुए राखी में तुलसी,अश्वगंधा, कालमेघ समेत अन्य बीज डाले जा रहे हैं, ताकि राखी को फेंकने की बजाय लोग गमले में या घर के आंगन में रख सकें, इस पहल से रोपण में मदद मिलेगी। गोमय रखियो की उपयोगिता लोगो तक पहुंचाने के लिए समूह की अध्यक्ष गायत्री डोटे ,व्यवस्थापक देवशीष घोष नवीन टेक्लोलोजी के द्वारा सोसल मीडिया के द्वारा मुख्यमंत्री के गोधन न्याय योजना का प्रचार कर रहे।

कलेक्टर ने ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन के प्रचार-प्रसार के लिए मोबाईल डेमोन्सट्रेशन वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कलेक्टोरेट परिसर से जिले में ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन के प्रचार-प्रसार हेतु मोबाईल डेमोन्सट्रेशन वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 को दृष्टिगत रखते हुए मोबाईल डेमोन्सट्रेशन वैन तैयार किया गया है।

वैन के माध्यम से मतदाताओं को ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन की जानकारी जिले के सभी छः विधानसभा के सभी 1464 मतदान केन्द्रों में निर्धारित रूट में भ्रमण कर मतदाताओं को इवीएम

में वोटिंग प्रक्रिया से अवगत कराते हुए मतदान हेतु जागरूक किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन में विधानसभा निर्वाचन 2023 में शत-प्रतिशत मतदाताओं द्वारा मताधिकार का प्रयोग सुनिश्चित कराने मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मतदाताओं को ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन तथा मतदान केन्द्र में मतदान प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए कलेक्टोरेट में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केन्द्र की स्थापना की गई है। कलेक्टर मीणा ने आज प्रथम वोट डालकर उक्त सेन्टर का शुभारंभ किया।

इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन प्रदर्शन केन्द्र में मतदाताओं को वोटिंग मशीन का बटन दबाकर वोट डालने का प्रयोग कराया जा रहा है। युवा मतदाता एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं में ईवीएम जागरूकता के प्रति खासा उत्साह देखा जा रहा है। गौरतलब है कि मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप अंतर्गत समावेशी, सुगम एवं सहभागी निर्वाचन के लिए ईव्हीएम एवं वीवीपैट मशीन के संबंध में जनसामान्य को जानकारी दी जा रही है।

समय-सीमा प्रकरणों का निराकरण समयावधि में हो - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने अधिकारियों की समय-सीमा बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनचौपाल, मुख्यमंत्री प्रवास के दौरान प्राप्त आवेदन, पीजीएन और सारथी एप के लंबित आवेदनों के संबंध में विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समयावधि में करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिकारी द्वारा आवेदन के निराकरण से आवेदक संतुष्ट होना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि शहरी गौठानों में पशु चिकित्सा सेवा केन्द्र स्थापित किया जाए, यहां पर पशु चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे ताकि बारिश के मौसम में गौठान में पशुओं को विभिन्न बीमारियों से बचायी जा सकें। बढ़ाने डोर-टू-डोर सामग्री पहुंचाने कार्ययोजना बनाने निकायों के अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को स्वीकृत प्रारंभ कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी निर्माण एप में एन्ट्री सुनिश्चित करने कहा ताकि विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग में सहुलियत हो सकें।

बीएसपी सीएसआर द्वारा त्रिदिवसीय मशरूम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से त्रिदिवसीय मशरूम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सीएसआर परिसर में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर शुक्ला, इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ हरविंदर कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) श्रीमती गगन गोयल उपस्थित थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भिलाई के परिधीय क्षेत्र की तकरीबन 40 महिलाओं को इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रशिक्षित किया जायेगा। इस त्रि दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑयस्टर, पेडी स्ट्रा एवं मिल्की मशरूम के उत्पादन के बारे में जानकारी दी जायेगी। मशरूम उत्पादन के लिए 50 फिट ग 15 फिट के एक शेड का निर्माण किया गया है। प्रशिक्षित महिलाएं आगामी तीन माह तक मशरूम का उत्पादन निःशुल्क कर सकेंगी। इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहायक प्रोफेसर डॉ हरविंदर कुमार सिंह ने कहा कि मशरूम उत्पादन के लिए महिलाओं की भागीदारी हर तरह से उपयुक्त है।

इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर शुक्ला ने कहा कि मशरूम का सेवन हर व्यक्ति की स्वस्थ जीवन शैली एवं उपयुक्त पोषण के लिए आवश्यक है क्योंकि मशरूम में वह सभी प्रोटीन एवं पोषक तत्व उपलब्ध रहते है जो मांसाहारी भोजन में पाए जाते है। उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक शिवराजन द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। अपने सम्बोधन में शिवराजन ने कहा कि यह प्रशिक्षण निःसंदेह महिलाओं के सशक्तिकरण में उपयोगी होगा।

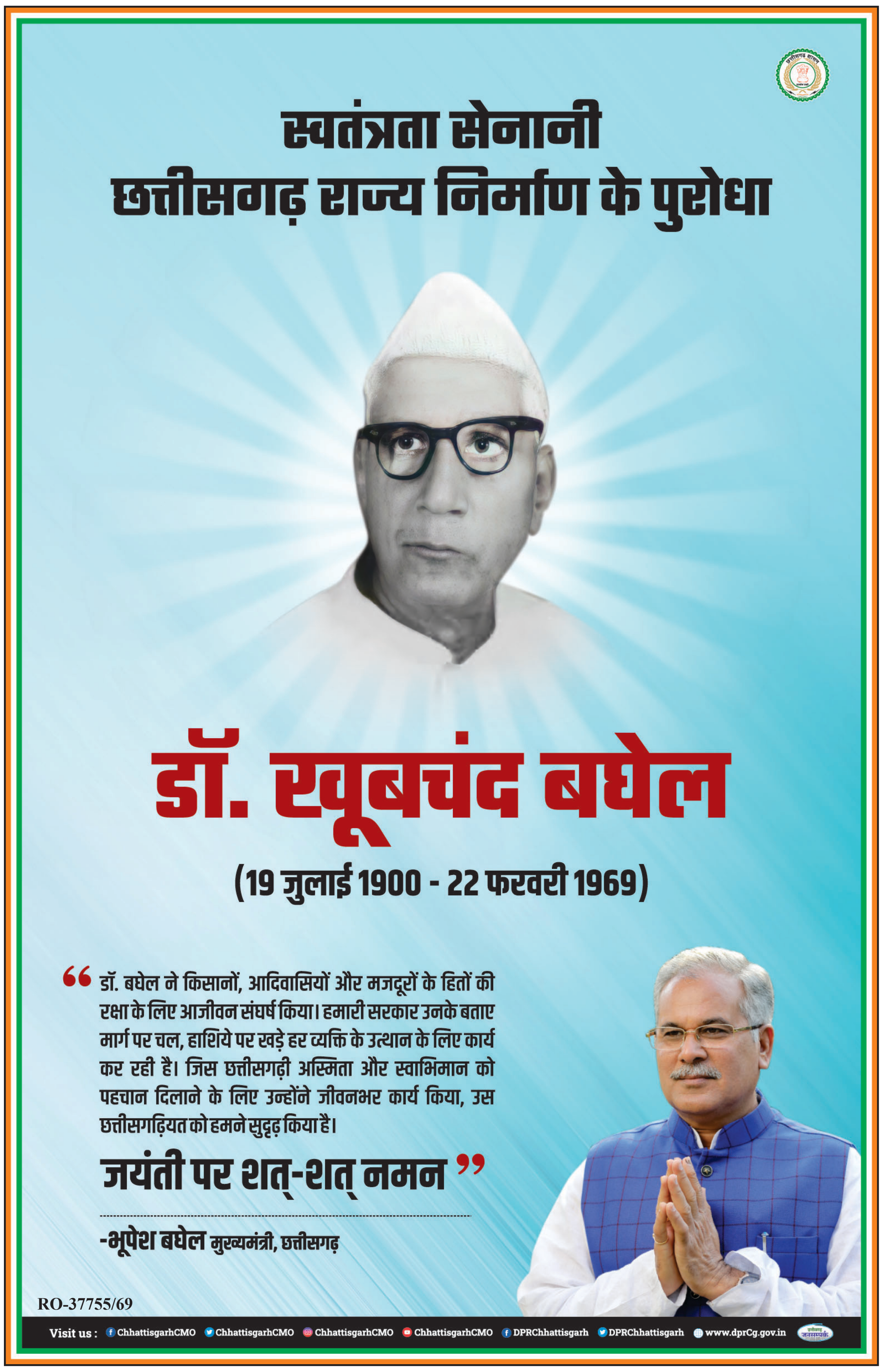

अब गौठानों में उपलब्ध रहेंगे पशु चिकित्सक, शहर को ग्रीन सिटी बनाने लगाए अधिक से अधिक पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगरीय ड्डिनकाय की बैठक में नगर निगम आयुक्तों से कहा कि नगरीय गौठानों में एक पशु चिकित्सक हमेशा उपलब्ध रहना चाहिए, ताकि जानवरों में उत्पन्न होने वाली बीमारियों का उपचार तुरंत हो सके। उन्होंने अधिकारियों को रोका-छेका अभियान के तहत गौठानों का निरीक्षण स्वयं जाकर करने को कहा, ताकि गौठानों में चारा, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कर सकें। पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए गौठानों में बाउण्ड्रीवॉल बनाने को कहा ताकि गौठान से पशु बाहर न आ सकें।

कलेक्टर ने आम नगारिकों से अपील की है कि शहर में किसी भी प्रकार की परेशानी जैसे खराब सड़क व सड़क पर मवेशी पाए जाने पर जिला प्रशासन की हेल्पलाईन नम्बर- 18002330788 में सम्पर्क कर सकते हैं। कलेक्टर ने नगरीय निकाय में वृक्षारोपण हेतु ट्री गार्ड एवं पौधे की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि शहर को हरा-भरा करने के लिए सभी मुख्य मार्ग, शासकीय बिल्डिंग, मार्केट, दुकानों, कॉलोनियों एवं घर-घर में सभी खाली जगहों में पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कलेक्टोरेट के उद्यान और बाउण्ड्रीवॉल के किनारे छोटे-बड़े पौधे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने डिवाईडरों व सड़क किनारे फूल के पौधे एवं फलदार वृक्ष लगाने को कहा। जगह के हिसाब से कन्हेर, बोगनविलिया के छोटे, फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाते हुए वृक्षारोपण के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सभी रिक्त स्थानों में प्लांटेशन करने को कहा। दुर्ग नगर निगम ने वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए वन होम वन ट्री अभियान शुरू किया है, जिसके अंतर्गत निगम द्वारा निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराया जा रहा है। नगर निगम भिलाई द्वारा 20 हजार पौधे बोगनविलिया, अशोक के 300 पौधे, पुत्रजीवी के 300 पौधे लगाए जाएंगे और 100 नग विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। नगर निगम रिसाली द्वारा 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे, जिसमें कटहल, जामुन, नीम, आंवला, बादाम, कन्हेर, बोगनविलिया, अशोक, करंजा शामिल है। नगर निगम दुर्ग द्वारा करंज, बेल, अमरूद, कचनार, कोनोकारपस, कदम, बादाम, सेवंती, बोगनविलिया, यूकोबिया, एरिकापाम, नीम, हमेलिया, अलमंडा, नीलकंठ, स्पाईडरलिल्ली, चम्पा व रातरानी के पौधे लगाए जाएंगे। जामुल में अशोक व विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। अहिवारा में 3 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य है, जिसमें छायादार पौधे व विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे।

धमधा में नीम, आवला, ईमली, अशोक, जामुन, कटहल, अमरूद, सीताफल, बेलपत्र, करंच, गुलमोहर, कनेर, कचनार, बादाम, कदम, पीपल, आम, मुंगा व शीशम के पौधे लगाए जाएंगे। इसी प्रकार भिलाई चरौदा, उतई, पाटन व कुम्हारी में भी विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए जाएंगे। वेंडिंग जोन की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने सड़क किनारे स्थित ठेले व खोमचे को व्यवस्थित करते हुए वेंडिंग जोन में स्थापित करने को कहा। साथ ही इसे आकर्षक बनाते हुए वेंडिंग जोन के आसपास छोटे-छोटे पौधे लगाने को कहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950